रांची, मंगलवार
30.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 208, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

कैबिनेट की बैठक दो जुलाई को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की अगली बैठक दो जुलाई को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी। बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य सरकार के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार कर निर्णय लिया जाएगा। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी। विभाग के अनुसार, बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मंजूरी के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे। हालांकि, कैबिनेट का विस्तृत एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 15 जून को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार ने 23 प्रस्तावों को मंजूरी दी थी।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत, तीन घायल

लातेहार। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गयी। जबकि तीन लोग घायल हो गए। पहली घटना थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव की है जहां तेजनी देवी (45) की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला घर से बाहर खेत की ओर गई थी। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से तेजनी की मौत हो गयी। वहीं, दूसरी घटना बहेरा गांव में हुई। बारिश के दौरान घर के अंदर बैठे लोग आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गए। इस हादसे में टीभू यादव, गीता देवी (दोनों बहेरा निवासी) और कैलाश यादव (कोलपटिया निवासी) घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर अशोक कुमार और डॉक्टर अलीशा टोप्पो की देखरेख में इलाज जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि तीनों घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

राज्य में आज को गर्जन, बारिश और वज्रपात की चेतावनी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार को गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए राज्य के कई हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

शाही स्नान के बाद अज्ञातवास में गए भगवान जगन्नाथ, रथयात्रा 16 को

बिभा संवाददाता

रांची। बड़कागढ़ धुर्वा स्थित जगन्नाथ मंदिर में सोमवार को भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का पारंपरिक शाही स्नान श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसके साथ ही भगवान जगन्नााथ तीनों भाई बहनों के साथ पंद्रह दिनों के लिए अज्ञातवास में चले गए। मंदिर का मुख?य द्वार बंद कर दिया गया। हालांकि? श्रद्धालुओं की भीड़ दरवाजे पर घंटों खड़े रहकर अपनी श्रद्धा दिखाई। भगवान को मनन

किया। इससे पहले मंदिर के मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा एवं मुख्य अनुष्ठान संपन्न कराया।

बड़कागढ़ स्टेवट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी सह मंदिर के सेवक सुधांशु नाथ शाहदेव सहित अन्य सेवकों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों ढोल, नगाड़े और भेरी की ध्वनि के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का शाही स्नान कराया। शाही स्थावन के साथ ही मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। जगन्नाथपुर न्यास समिति की ओर से सैकड़ों प्रकार की जड़ी-बूटियों से तैयार पवित्र जल से तीनों विग्रहों का अभिषेक किया गया। इसके साथ ही लगभग दो हजार श्रद्धालुओं के बीच पवित्र जल का वितरण भी किया गया।

मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार शाही स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और इसके बाद 15 दिनों तक अनासर काल अथवा एकांतवास में रहते हैं। इस अवधि के दौरान मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेंगे और भगवान के दर्शन नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि अनासर अवधि समाप्त होने के बाद 15 जुलाई को नेत्रदान अनुष्ठान संपन्न होगा,जबकि 16 जुलाई को ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद भगवान पुनः भक्तों को दर्शन देंगे। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान के अंतिम दर्शन कर सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

मुख्यमंत्री सोरेन ने 1,042 नव चयनित सहायक आचार्यों को सौंपा नियुक्ति पत्र

शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाना आपकी जिम्मेदारी : हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि राज्य के नव नियुक्त सहायक आचार्यों के कंधों पर केवल शिक्षण कार्य की नहीं, बल्कि झारखंड की भावी पीढ़ी के भविष्य निर्माण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य का बौद्धिक विकास किस दिशा में आगे बढ़ेगा और नई पीढ़ी अपने पैरों पर किस प्रकार मजबूती से खड़ी होगी, यह काफी हद तक शिक्षकों की भूमिका पर निर्भर करेगा।

मुख्यमंत्री रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों के नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें केवल नौकरी नहीं,

बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का दायित्व सौंपा है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि शिक्षक समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली से बच्चों का व्यक्तित्व और राज्य का भविष्य तय होता है। उन्होंने कहा कि झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने की जिम्मेदारी अब नव नियुक्त शिक्षकों की है।

मुख्यमंत्री ने सरकारी संस्थानों को लेकर उठने वाले सवालों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की जिम्मेदारी राज्य के सवा तीन करोड़ लोगों के प्रति है। इसमें अधिकारी, कर्मचारी, किसान, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और विद्यार्थी सभी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियां निभा रही है, लेकिन एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। यदि सभी लोग बेहतर नागरिक बोध (सिविक सेंस) के साथ काम करें, तो व्यवस्था में व्यापक सकारात्मक बदलाव संभव है।

मुख्यमंत्री ने नव नियुक्त शिक्षकों से कहा कि वे सरकार की ₹आंख, कान और हाथ₹ बनकर कार्य करें। झारखंड की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना शिक्षकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने बच्चों की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि राज्य के किसी भी विद्यालय से बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, हिंसा या अमानवीय व्यवहार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामले सामने आते हैं तो सरकार कानून के तहत कठोर कार्रवाई करने में कोई संकोच नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सोरेन ने सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने वाली घटनाओं का उल्लेख करते हुए शिक्षकों से बच्चों के प्रति संवेदनशील, जिम्मेदार और मानवीय व्यवहार अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज के समय में किसी व्यक्ति की पहचान उसकी जाति या धर्म से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता, दक्षता, कार्य और विचारों से होती है। इसलिए शिक्षकों को समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यदि शिक्षक पूरी ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तो इसका लाभ न केवल विद्यार्थियों बल्कि पूरे राज्य और समाज को मिलेगा।

समारोह में नव नियुक्त सहायक आचार्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, नव नियुक्त सहायक आचार्य तथा उनके परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भारत में बना दुनिया के सबसे बड़ा डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम: नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को देश की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से ह्यआरोग्य सेतु 2.0ह्व सहित कई महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का शुभारंभ किया।

विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में जे पी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत अब तक 90 करोड़ से अधिक आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) बनाए जा चुके हैं और 100 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड उनसे जोड़े जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में शामिल हो चुका है।

केन्द्रीय मंत्री ने इस अवसर पर आरोग्य सेतु 2.0, आयुष्मान ऐप, आयुष्मान सारथी व्हाट्सएप चैटबॉट, नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज, इंश्योरेंस प्लान एफएचआईर ऑब्जेक्ट क्रिएटर, ई-सुश्रुत क्लिनिक, यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस (यूएचआई), ड्रग रजिस्ट्री, और भारत हेल्थ टर्मिनोलॉजी सर्विस जैसी डिजिटल सेवाओं की शुरूआत की। कार्यक्रम में आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव, राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. एम. श्रीनिवास, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर नड्डा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि सही और बोधी जैसी एआई आधारित पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता बढ़ाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म पहले से बिखरी हुई स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत मंच पर लाएंगे। उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु 2.0 को पूरी तरह नए स्वरूप में विकसित किया गया है, जिससे गर्भवती महिलाओं, बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और गंभीर या दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मंच पर आसानी से उपलब्ध होंगी।

अधिग्रहित भूमि का नहीं मिला मुआवजा, कुर्क होगी डीसी की संपत्ति

बिभा संवाददाता

रामगढ़। ग्रामीणों के भूमि अधिग्रहण के मामले में मुआवजे की रकम का भुगतान जिला प्रशासन की ओर से नहीं करने पर सिविल जज सीनियर डिवीजन द्वितीय सह विशेष न्यायाधीश शिवेंदु द्विवेदी की अदालत ने सोमवार को रामगढ़ डीसी की संपत्ति कुर्क करने का सुनाया। कुर्की जब्ती को लेकर पहले भी जारी दो आदेश इसी न्यायालय ने जारी किया था। इस बार यह मामला एनएचएआई से जुड़ा हुआ है।

मामले के अनुसार सड़क निर्माण के लिए रामगढ़ में बड़े पैमाने पर भूमि का अधिग्रहण किया गया था। लेकिन अधिगृहित भूमि के मुआवजे की रकम को लेकर भू-स्वामी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत के अनुसार वर्ष 2005 में पारित अवार्ड के तहत याचिका कताओं को भुगतान किया जाना था। जिसमें मूल मुआवजा राशि और 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज शामिल है।

न्यायालय ने कहा कि अब तक कुल 02 करोड़ 20 लाख 12 हजार 247 रुपये 67 पैसे का भुगतान नहीं किया गया है। अदालत ने बैलिफ को निर्देश दिया कि वह डीसी से संबंधित सरकारी वाहनों सहित अन्य चल संपत्तियों को कुर्क करने के आदेश का तामिला कर रिपोर्ट समर्पित करें। बैलिफ को वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट 08 जुलाई 2026 तक प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

झारखंड की तीन बेटियां भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में चयनित, इंग्लैंड-स्कॉटलैंड दौरे पर करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की महिला हॉकी ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राजधानी रांची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू हॉकी सेंटर की तीन होनहार खिलाड़ी बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद का चयन भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम में हुआ है। तीनों खिलाड़ी 5 से 14 जुलाई तक होने वाले इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम इस दौरे के दौरान कुल सात अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और अपने खेल को और निखारने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है।

बरियातू हॉकी सेंटर लंबे समय से झारखंड में महिला हॉकी प्रतिभाओं को तैयार करने का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई खिलाड़ी पहले भी भारतीय टीम तक अपनी जगह बना चुकी हैं। एक साथ तीन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन सेंटर की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशिक्षकों की मेहनत और खिलाड़ियों के समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बरियातू हॉकी सेंटर लगातार भारतीय टीम को प्रतिभाशाली खिलाड़ी दे रहा है, जो झारखंड में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं के प्रभावी विकास का प्रमाण है।

उन्होंने विश्वास जताया कि बिनीमा धान, पार्वती टोप्पो और रोशनी आइंद अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करेंगी। उनके चयन से राज्य के युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी और झारखंड में महिला हॉकी को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

खरगे सहित राज्यसभा के लिए निर्वाचित आठ सदस्यों को राधाकृष्णान ने दिलायी शपथ

एजेंसी

नई दिल्ली: राज्य सभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित राज्यसभा के पुनर्निवाचित एवं नवनिर्वाचित आठ सदस्यों को राज्य सभा की सदस्यता की शपथ दिलायी।

राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री राधाकृष्णन ने संसद भवन में आयोजित सादे समारोहों में निर्वाचित सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलायी।

कर्नाटक से निर्वाचित श्री खरगे के अलावा आज शपथ लेने वाले सात सदस्यों में गुजरात से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया और श्री मानसिंह मेरामन परमार, कर्नाटक से भाजपा के एम. नागराजा, मध्य प्रदेश से भाजपा के तरूण चुघ, महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए राष्ट्रवाद कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राजेंद्र हीरालाल जैन, मणिपुर से भाजपा की अधिकारीमायुम शारदा देवी ऊर्फ मैमोम शारदा देवी और राजस्थान से निर्वाचित भाजपा की डॉ. अलका सिंह शामिल हैं।

इन सात में से चार सदस्यों ने हिंदी में, एक ने कन्नड़ में, एक ने पंजाबी में और एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ ली।

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा के सदस्य जयराम रमेश और प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी और सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री खरगे ने सभापति के कक्ष में अलग से आयोजित समारोह में शपथ लेने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि दोबारा राज्य सभा की शपथ लेना उनके लिए गर्व और बड़ी जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि इस गरिमामयी सदन में विपक्ष के नेता के रूप में सेवा जारी रखना उनके लिए सम्मान की बात है। श्री खरगे ने राज्यसभा के सभापति और उपसभापति हरिवंश के सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

राज्यसभा में फिर नेता प्रतिपक्ष बने मल्लिकार्जुन खरगे, पुनर्निर्वाचन के बाद जारी हुआ बुलेटिन

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कर्नाटक से पुनर्निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा में एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी गई है। राज्यसभा सचिवालय की ओर से सोमवार को जारी संसदीय बुलेटिन के अनुसार, राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें 26 जून 2026 से प्रभावी रूप से सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। संसदीय बुलेटिन के अनुसार, खरगे का पिछला राज्यसभा कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो गया था। इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनकी मान्यता भी समाप्त हो गई थी। कर्नाटक से दोबारा राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद उन्हें नए कार्यकाल के लिए पुन: इस पद की मान्यता प्रदान की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विक्टोरिया में श्री गणेश मंदिर के किए दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया स्थित एकमात्र मंदिर अरुलमिगु नवशक्ति विनायक में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने विक्टोरिया स्थित प्रमुख हिंदू मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में प्रार्थना की। भगवान श्री गणेश सभी को बुद्धि, शक्ति और समृद्धि का आशीर्वाद दें।

उल्लेखनीय है कि विनायक मंदिर द्वीप पर बसे सेशेल्स देश का यह पहला और एकमात्र मंदिर है। वर्ष 1992 में स्थापित यह मंदिर केवल प्रार्थना स्थल ही नहीं है। यह आस्था की गहराई और हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति की सुंदरता को जानने का द्वार है। श्रद्धालुओं तथा जिज्ञासुओं के लिए यह मंदिर हिंदू उपासना के सार और शांति एवं ज्ञान की सार्वभौमिक खोज की एक अनूठी झलक प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, इस मंदिर में मुरुगन, नदराज, दुर्गा और कई अन्य देवताओं का भी एक जीवंत संग्रह है। इनमें प्रत्येक की अपनी कहानी और शक्तियां हैं।

बुजुर्गों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना ही लक्ष्यः डालसा

बिभा संवाददाता

रांचीः माननीय न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा श्री सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं माननीय सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची श्री अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव श्री राकेश रौशन की मौजुदगी में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है। इसी आलोक में आज दिनांक 29.06.2026 को बेड़ो प्रखण्ड के ईंटा पंचायत के चिलरी गांव तथा के.जी.वी.भी. बेड़ो में माननीय नालसा द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिकों के लिए कानुनी सेवा योजना पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी, श्री राजेष कुमार सिन्हा, विधि के छात्र-छात्राएं, पीएलवी मानव कुमार सिंह, अमित कुमार, सधनी कुमारी, दिनेश प्रमाणी, सत्या प्रकाश, मंगल तिर्की समेत अन्य लोग उपस्थित थे। डिप्टी एलएडीसी ने नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना पर फोकस किये और कहा कि भारत के बुजुर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता, उनके अधिकारों की रक्षा और उनके सम्मानजनक जीवन को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के इस कमजोर वर्ग को बिना किसी आर्थिक या शारीरिक बाधा के न्याय दिलाना है। उन्होंने उक्त योजना के उद्देश्यों के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि बुजुर्गों को अदालती मामलों के लिए मुफ्त वकील और कानूनी सलाह उपलब्ध कराना तथा बुजुर्गों को पेंशन, वृद्धाश्रम, और स्वास्थ्य से जुड़ी सरकारी योजनाओं को लाभ दिलाने में मदद करना और शिविरों और प्रचार-प्रसार के माध्यम से बुजुर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी उक्त योजना का उद्देश्य है।

पीएलवी मानव कुमार सिंह ने आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। पीएलवी अमित कुमार एवं सधनी कुमारी ने बाल विवाह तथा बाल श्रम पर फोकस किये। दिनेश प्रमाणी और सत्य प्रकाश तथा मंगल तिर्की ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

कूदादा पुलिया निर्माण का विधायक ने किया निरीक्षण

गुणवत्ता और समयबद्धता से नहीं होगा समझौता : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका : जमशेदपुर प्रखंड के कूदादा में निमार्णाधीन पुलिया के अंतिम चरण के कार्य का निरीक्षण करने विधायक संजीव सरदार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, पथ निर्माण विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। मौके पर सभी पक्षों के साथ विचार-विमर्श कर निर्माण कार्य को निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने विभागीय अधिकारियों एवं संवेदक को निर्देश दिया कि आगामी सात दिनों तक बड़े वाहनों का परिचालन डायवर्जन रोड से कराया जाए, ताकि पुलिया के एप्रोच रोड का निर्माण बिना किसी बाधा के शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आम लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत आधारभूत संरचना जरूरी है और पुलिया निर्माण पूरा होने के बाद कूदादा सहित आसपास के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता, ग्रामीण तथा पथ निर्माण एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

टांगर बसली में मोहर्रम मेला का भव्य आयोजन, अखाड़ाधारियों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

बिभा संवाददाता

टांगर बसली (मांडर): सेंट्रल मोहर्रम कमेटी, टांगर बसली की ओर से मोहर्रम मेला एवं अखाड़ा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों के अखाड़ाधारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने शानदार खेल, पारंपरिक कला एवं हैरतअंगेज कलाबाजियों का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रमुख फिलीप सहाय एक्का एवं उप प्रमुख अमानत अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने अखाड़ों का निरीक्षण किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

मेले में शामिल विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक करतब और पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रभावित होकर आयोजन समिति द्वारा उन्हें आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर मुखिया तुलसी उरांव, कांग्रेस अध्यक्ष रशीद अंसारी, गुलजार अंसारी, महबूब अंसारी, निरंजन टोप्पो, समाजसेवी तस्लीम अंसारी, जुल्फान अंसारी, इमरान अंसारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आजाद अंसारी, युवा कांग्रेस मांडर विधानसभा अध्यक्ष हुसैन अंसारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर को लेकर सिल्ली में कांग्रेस की बैठक, 30 जून को सभी बूथों पर होगी बीएलओ-बीएलए की पहली बैठक

सिल्ली(बिभा): सिल्ली विधानसभा कांग्रेस प्रभारी मदन कुमार महतो एवं सह प्रभारी जाका उल्ला ने सोमवार को सिल्ली प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों और बीएलए-2 कार्यकताओं के साथ बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी मदन कुमार महतो ने बताया कि 30 जून को प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक झारखंड के सभी मतदान केंद्रों में बीएलओ और बीएलए-2 की पहली बैठक आयोजित होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी द्वारा बनाए गए सभी बीएलए-2 अपने-अपने मतदान केंद्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में पूरा सहयोग करें। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो, महासचिव सैय्यद कमर आलम, भगीरथ महतो, प्रकाश मुंडा, शमशेर आलम, पूर्वी मंडल अध्यक्ष देवाशीष दत्ता, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, मो खलील, रमजान अंसारी समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राय पंचायत में निशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ

खलारी(बिभा)। शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन के अंतर्गत सोमवार को राय पंचायत में एक निशुल्क कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय समाजसेवी राजू जी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के ट्रस्टी अमित राज पाण्डेय ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने बताया कि सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट का उद्देश्य ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है, ताकि वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर कुमार सिंह, सुनील कुमार, विजय कुमार, अजय दुबे, अनिल सिंह, जयदीप चटर्जी, राजकुमार बाबू, संदीप भास्कर सहित ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने शिक्षा के प्रसार और समाज के उत्थान के लिए ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। राय पंचायत में निशुल्क कोचिंग सेंटर के उद्घाटन से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि यह केंद्र क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा का नया द्वार साबित होगा और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मांडर में एसआईआर हेल्पलाइन कार्यालय का उद्घाटन, एक माह तक मिलेगी निःशुल्क सहायता

मांडर(बिभा)। एसआईआर फॉर्म भरने से लेकर उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी देने के उद्देश्य से समाजसेवी इरशाद इमाम की पहल पर मांडर के बॉम्बे चौक स्थित एसआईआर हेल्पलाइन कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय का उद्घाटन पूर्व मुखिया जयवंत तिग्गा एवं रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बताया गया कि आम लोगों को एसआईआर से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा फॉर्म भरने में सहयोग देने के लिए यह हेल्पलाइन कार्यालय लगातार एक माह तक संचालित किया जाएगा। झारखंड के किसी भी जिले के लोग यहां आकर या हेल्पलाइन नंबर इरशाद इमाम -8051063698, शमीम अख्तर आजाद - 8877135731, मुख्तार अंसारी - 9117877870, मोइन अंसारी - 9234429265 जारी कर आवश्यक जानकारी और सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उद्घाटन समारोह में समाजसेवी इरशाद इमाम, गफ्फार अंसारी, उप मुखिया मोइन अंसारी, फिरोज अंसारी, मास्टर परवेज अंसारी, पंचायत समिति सदस्य प्रेम प्रकाश तिग्गा, संजय तिग्गा, महादेव तिग्गा, हकीम अंसारी, मेहंदी अंसारी, राजा अंसारी, रामें उरांव सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मलेरिया के रोकथाम को फ्रंटलाइन में आए विधायक संजीव सरदार, ग्राउंड जीरो में पहुँच पीड़ितों से मिले

संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए हर घर तक पहुंचे स्वास्थ्य टीम : संजीव

प्रभावित गाँव का किया दौरा, मौजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम को घर-घर जांच और डीडीटी छिड़काव में तेजी लाने के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

पोटका। पोटका प्रखंड में मलेरिया के बढ़ते संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ हुई आपात बैठक के बाद विधायक संजीव सरदार सोमवार को प्रभावित गांवों के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक सबसे पहले सानग्राम गांव पहुंचे, जहां ब्रेन मलेरिया से एक छात्रा की मौत हुई थी। यहां उन्होंने ग्रामीणों के बीच चल रहे स्वास्थ्य जांच अभियान और घर-घर डीडीटी छिड़काव का जायजा लिया तथा लोगों को मलेरिया से बचाव और समय पर जांच कराने के प्रति जागरूक किया।

इसके बाद विधायक हरिणा पंचायत के कोंदर गांव पहुंचे, जो मलेरिया का हॉटस्पॉट बन चुका है। यहां ब्रेन मलेरिया से दो बच्चों की मौत हो चुकी है। विधायक ने गांव में चल रहे मलेरिया जांच अभियान एवं डीडीटी छिड़काव कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मृत दोनों बच्चों के पिता महावीर सरदार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की, दुख की इस घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया तथा आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। उन्होंने अधिकारियों से राहत कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत दी।

विधायक श्री सरदार ने कहा की पिछले दस सालो से केंद्र सरकार द्वारा संचालित डीटीटी छिड़काव बंद है जिससे अब बीमारी तेजी से फेल रही है, अब इसके चैन को तोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर डीटीटी छिड़काव की आवश्यकता है.

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मलेरिया संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए घर-घर स्वास्थ्य जांच और व्यापक स्तर पर डीडीटी छिड़काव सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि प्रभावित गांवों में जांच अभियान, दवा वितरण और जनजागरूकता कार्यक्रम को और तेज किया जाए, ताकि संक्रमण की चेन को समय रहते तोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन पूरी तत्परता के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

केडीएच खदान की गोफ में कूदने की सूचना से मचा हड़कंप, रातभर चला रेस्क्यू अभियान

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल के एनके एरिया की बंद पड़ी केडीएच परियोजना की गोफ में 19 वर्षीय युवक रोहन पासवान उर्फ सोनू कुमार के कूदने की सूचना से रविवार को पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही परिजन, स्थानीय लोग, सीआईएसएफ, सीसीएल प्रबंधन और खलारी पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल संयुक्त रूप से रेस्क्यू एवं खोज अभियान शुरू किया गया। पूरी रात गोफ और आसपास के क्षेत्र में युवक की तलाश की जाती रही, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया जाता है कि एक व्यक्ति ने युवक को खदान की गोफ में कूदते हुए देखा था। इसकी जानकारी सबसे पहले उसके परिजनों और आसपास के लोगों को दी गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद सीआईएसएफ, सीसीएल और खलारी पुलिस ने संयुक्त रूप से खोज अभियान शुरू किया। देर रात तक गोफ और आसपास के इलाके में सघन तलाशी ली गई, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिला।

सोमवार तड़के करीब 3 बजे युवक के परिजनों ने उसे अपने घर में सोया हुआ देखा। युवक के घर लौट आने की जानकारी मिलते ही इसकी सूचना तत्काल खलारी पुलिस और आसपास के लोगों को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घर पर ही युवक से पूछताछ की। युवक ने पुलिस को बताया कि वह वास्तव में केडीएच खदान की गोफ में कूदा था। गोफ के अंदर अत्यधिक गर्मी होने के कारण उसके पैरों में तेज जलन होने लगी। स्थिति बिगड़ती देख वह किसी तरह गोफ से बाहर निकल आया और बिना किसी को बताए सीधे घर पहुंचकर सो गया। इसी कारण पूरी रात चले रेस्क्यू अभियान के दौरान उसका कोई पता नहीं चल सका।

पुलिस कर रही मामले की जांच

खलारी थाना के सब-इंस्पेक्टर शंकर राम ने बताया कि युवक पूरी तरह स्वस्थ है और उसके साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई है। घर पर ही उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए टाटा आर्चरी अकादमी के तीरंदाजों का हुआ चयन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा आर्चरी अकादमी टाटा को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसके तीन तीरंदाज–गोल्डी मिश्रा, आदित्य वाधवा और के. युक्ता श्री–का चयन प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। यह अकादमी के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। टाटा आर्चरी अकादमी भारत की प्रमुख तीरंदाजी प्रशिक्षण संस्थाओं में से एक है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शीर्ष स्तर के तीरंदाजों को प्रशिक्षित और तैयार करती है।

गोल्डी मिश्रा और आदित्य वाधवा का चयन एशिया कप स्टेज 2 एवं 3 के साथ-साथ एशियन यूथ आर्चरी चैंपियनशिप के लिए भी हुआ है। वे भारत का प्रतिनिधित्व इराक, चीन और दुबई में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में करेंगे। के. युक्ता श्री का चयन एशिया कप स्टेज 2 एवं 3 में भाग लेने के लिए हुआ है, जो टाटा आर्चरी अकादमी में विकसित हो रही मजबूत प्रतिभाओं को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि युक्ता ने इससे पहले चयन ट्रायल्स में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन ट्रायल्स सोनीपत में आयोजित किए गए थे, जहाँ तीरंदाजों ने असाधारण कौशल, निरंतरता और दबाव में उत्कृष्ट संयम का प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया।इन चयन ट्रायल्स के दौरान तीरंदाजों के साथ टाटा आर्चरी अकादमी के कोच अनिल कुमार, हेलेन और प्रसन्ना मौजूद रहे, साथ ही मसाज थेरेपिस्ट अनुप और रूमा ने भी तकनीकी मार्गदर्शन, रिकवरी सहायता और पूरी चयन प्रक्रिया के दौरान प्रेरणा प्रदान की। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का प्रमाण है, साथ ही कोचों, सपोर्ट स्टाफ और अकादमी में एक उच्च प्रदर्शन खेल वातावरण तैयार करने में जुड़े सभी लोगों के निरंतर प्रयासों को भी दशार्ती है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह सम्पन्न

बिभा संवाददाता

रांची। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के अवसर पर झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन, रांची जिला ओलम्पिक एसोसिएशन एवं विभिन्न खेल संघों के संयुक्त तत्वावधान में पूरे झारखंड में समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस वर्ष के आयोजन में ₹ग्रीन फॉरेस्टर₹ के संकल्प के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल एक भव्य ओलम्पिक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ की शुरूआत मोराबादी स्थित झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन कार्यालय परिसर से हुई। इस अवसर पर प्रतिभागी अपने हाथों में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के बैनर लिए हुए चल रहे थे, जिससे पूरे वातावरण में खेल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जयपाल सिंह स्टेडियम में सेपक टकरा प्रतियोगिता तथा वुशु हॉल, मोराबादी में वुशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रांची जिला ओलम्पिक एसोसिएशन, झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन तथा विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री एस.के. पांडे, कोषाध्यक्ष श्री शिवेन्द्र दुबे सहित निशिकांत पाठक, चंचल भट्टाचार्य, उदय साहू, सुनील सहाय, सुनील कुमार, डॉ. दीपक, दीपक गोप, शैलेन्द्र दुबे, विभूति भूषण अमर, रामेन्द्र कुमार, प्रभाकर वर्मा, राकेश रमन, हरजीन्दर सिंह, राजू महतो एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन एवं झारखंड ओलम्पिक एसोसिएशन के दिशा-निदेर्शों के आलोक में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस समारोह का आयोजन पूरे झारखंड में किया गया , जिसका उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, स्वस्थ जीवनशैली, एकता, मित्रता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रसार करना है।

कराँजी मोहर्रम मेला आज, पांच अखाड़ों के साथ निकलेगा शांतिपूर्ण जुलूस

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड अंतर्गत ग्राम कराँजी में मोहर्रम के अवसर पर मंगलवार को पारंपरिक जुलूस सह भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष मेले को पहले से अधिक व्यवस्थित, आकर्षक एवं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित करने की तैयारी की गई है।

कमेटी ने ग्रामीणों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों से भाईचारे, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोहर्रम केवल मातम का पर्व नहीं, बल्कि त्याग, सब्र, इंसानियत और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देने वाला अवसर है। कमेटी ने जानकारी दी कि शाम 4 बजे झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगी। उनके आगमन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। इस दौरान वे सामाजिक सौहार्द, शांति एवं आपसी भाईचारे का संदेश देंगी।

खालिद अंसारी ने कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि एवं नशाखोरी पर विशेष नजर रखी जाएगी। मीडिया टीम पूरे आयोजन की जिम्मेदारीपूर्वक कवरेज करेगी ताकि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं विवाद-मुक्त वातावरण में संपन्न हो। तबरेज अंसारी ने कहा कि कराँजी का मोहर्रम मेला क्षेत्र की सामाजिक एकता और भाईचारे की मिसाल है। उन्होंने सभी लोगों से अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। माजिद अंसारी ने कहा कि मोहर्रम का संदेश अमन, भाईचारा और इंसानियत है। उन्होंने सभी युवाओं से शांतिपूर्वक जुलूस में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया।

हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री चमरा लिंडा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार की ओर से छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए संचालित योजनाओं के तहत सोमवार को रांची में साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने टीवीएस सीएम एसओई जगन्नाथपुर, रांची क्लस्टर प्वाइंट से 10 विद्यालयों के कुल 693 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए संकल्पित है। उन्होंने बताया कि मेडिकल एवं इंजीनियरिंग जैसी उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए छात्रों को कोटा के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे मोशन एजुकेशन से जोड़कर विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि छात्र अपने सपनों को साकार कर सकें।

मुंडा ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं को विद्यालय की दूरी के कारण पढ़ाई में कठिनाई होती है, उनके लिए यह योजना बेहद उपयोगी साबित होगी और ड्रॉपआउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत राज्य के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 8 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। रांची जिले में वर्ष 2026-27 के लिए कुल 16,780 साइकिलों के वितरण की स्वीकृति दी गई है। कार्यक्रम में समेकित जनजाति विकास अभिकरण, रांची की परियोजना निदेशक मनीषा तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड कल्याण पर्यवेक्षक एनुल हक तथा टीवीएस सीएम एसओई जगन्नाथपुर, रांची की प्राचार्य एवं प्रबंधन टीम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अरगोड़ा से लापता तीन बच्चे बिहार से सकुशल बरामद

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू से लापता हुए तीन बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। अरगोड़ा थाना को 28 जून 2026 की रात करीब 11:30 बजे सूचना मिली थी कि कडरू निवासी तीन बच्चे खेलते-खेलते कहीं लापता हो गए हैं। लापता बच्चों की पहचान 12 वर्षीय बेलाल अकम, 10 वर्षीय मान अंसारी और 10 वर्षीय सूरज महतो के रूप में हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अरगोड़ा थाना कांड संख्या 157/2026 दर्ज कर तत्काल अनुसंधान शुरू किया गया। साथ ही बच्चों की तलाश के लिए विभिन्न टीमों का गठन किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में तीनों बच्चे शाम करीब 5 बजे अपनी मर्जी से कहीं जाते हुए दिखाई दिए। इसके बाद जिलेभर में लगे सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण करने और बच्चों की गतिविधियों का तकनीकी रूप से पता लगाने के लिए आठ विशेष टीमों का गठन किया गया। लगातार तकनीकी जांच और ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस ने तीनों बच्चों को बिहार के बरौनी से मुजफ्फरपुर जनसेवा एक्सप्रेस ट्रेन से सफलतापूर्वक बरामद कर लिया।

बरामदगी के बाद बच्चों ने पुलिस को बताया कि वे अपनी इच्छा से घूमने के लिए घर से निकले थे। रांची पुलिस ने बच्चों को सुरक्षित उनके परिजनों के हवाले कर दिया है। साथ ही अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों और आवाजाही पर लगातार नजर रखें तथा किसी भी संदिग्ध परिस्थिति या बच्चे के लापता होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

खनन संविदाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

रांची(बिभा): सीसीएल के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा सतर्कता विभाग के तत्वावधान में सोमवार को एमटीसी में खनन संविदाएं विषय पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक अनुप हंजूरा ,मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार, महाप्रबंधक एम.एफ. हक तथा महाप्रबंधक राजीव हुई उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने खनन संविदाओं के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों में जागरूकता बढ़ाने, संविदा प्रबंधन से जुड़े एरिया की पहचान करने, हिंड्रेंस रजिस्टर का समुचित संधारण सुनिश्चित करने तथा अधिकारियों को नियमों एवं प्रक्रियाओं की समुचित जानकारी से सुसज्जित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय, पारदर्शिता और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों का नियमित क्षमता संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं विभागों से 44 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को खनन संविदाओं से संबंधित प्रक्रियाओं, चुनौतियों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से अवगत कराना तथा संविदा प्रबंधन में दक्षता एवं जवाबदेही को और सुदृढ़ करना था।

स्नान यात्रा के उपलक्ष्य में 500 किलो आम से सजाया गया जगन्नाथजी का दरबार

रांची(बिभा) : श्री जगन्नाथ स्नान यात्रा के शुभ अवसर पर इस्कॉन रांची द्वारा श्रीजगन्नाथ बलदेव माता सुभद्रा का 21 विभिन्न द्रव्य से भव्य अभिषेक किया गया । भगवान जगन्नाथ के दर्शन प्राप्त करने के लिए सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही । पूरे मन्दिर परिसर को 500 किलो आम से सजाया गया । भजन कार्यक्रम सुबह 11 से प्रारंभ हुआ । मुख्य स्नान का कार्यक्रम संध्या 6 बजे से मधुर कीर्तन के साथ प्रारंभ हुआ । इस्कॉन रांची के प्रबंधक श्रीमान मधुसुदन मुकुंद दास ने उपस्थित भक्तों को कथा के माध्यम से भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी की दिव्य लीलाओं का वर्णन किया।उन्होंने बताए कि जो भी मनुष्य जगन्नाथ जी का दर्शन देवस्नान पूर्णिमा के दिन करता है उसे जन्म मृत्यु के चक्र से छुटकारा मिला जाता है । भक्तों द्वारा जगन्नाथ जी की लीलाओं को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया जो उपस्थित सभी भक्तों को आनन्द प्रदान कर रहा था । जगन्नाथ जी को 156 स्वादिष्ट भोग अर्पित किया गया । कार्यक्रम का समापन भव्य श्रृंगार आरती और स्वादिष्ट महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ । कार्यक्रम में 600 से अधिक भक्तों ने हिस्सा लिया ।

मेकॉन लिमिटेड को मिला मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा

रांची(बिभा)। इस्पात मंत्रालय के अधीन कार्यरत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मेकॉन लिमिटेड को भारत सरकार ने प्रतिष्ठित मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा प्रदान किया है। कंपनी ने निर्धारित वित्तीय एवं प्रदर्शन संबंधी मानदंडों को पूरा करने के बाद यह उपलब्धि हासिल की है। मेकॉन की ओर से सीमतिंनी साहु ने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी। मेकॉन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार वर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे मेकॉन परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण तथा हितधारकों के विश्वास और सहयोग का परिणाम है। उनके अनुसार, यह उपलब्धि कंपनी को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने तथा देश के औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास में अधिक प्रभावी योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने बताया कि मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा मिलने से मेकॉन को संचालन और वित्तीय मामलों में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। इससे कंपनी बड़े व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने, रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने और त्वरित निर्णय लेने में अधिक सक्षम होगी। साथ ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी उपस्थिति का और विस्तार होगा। सीमतिंनी साहु ने विज्ञप्ति में बताया कि मिनीरत्न श्रेणी-1 का दर्जा कंपनी की निरंतर लाभप्रदता, मजबूत वित्तीय प्रदर्शन तथा इस्पात, ऊर्जा, आधारभूत संरचना, खनन, तेल एवं गैस जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में उसके महत्वपूर्ण योगदान की मान्यता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि पर मेकॉन ने इस्पात मंत्रालय, अपने ग्राहकों, व्यावसायिक सहयोगियों और सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रिम्स-2 परियोजना को 2000 करोड़ देने की मांग, झारखंड को मिल सकती है बड़ी सौगात

बिभा संवाददाता

रांची : नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 16वीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़े अहम मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से रखा. केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, अनुप्रिया पटेल, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री उपस्थित थे.

बैठक में अपनी बात रखते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है, लेकिन खनन गतिविधियों के दुष्प्रभाव के कारण यहां फाइलेरिया, मलेरिया, कालाजार, एनीमिया, थैलेसीमिया, टीबी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का बोझ लगातार बढ़ रहा है. राज्य सरकार पूरी निष्ठा से काम कर रही है, लेकिन केंद्र से मिलने वाली आर्थिक सहायता और योजनागत सहयोग पर्याप्त नहीं है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत झारखंड को मिलने वाली राशि अपेक्षित स्तर पर नहीं मिल रही है, जबकि लगभग चार करोड़ आबादी वाले राज्य को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की सबसे अधिक आवश्यकता है.

डॉ. अंसारी ने परिषद के समक्ष जोरदार मांग रखते हुए कहा कि झारखंड में केवल एक अक्क्टर देवघर में है, जो राजधानी रांची से लगभग 300 किलोमीटर दूर है. इस कारण गंभीर मरीजों को समय पर सुपर स्पेशियलिटी इलाज नहीं मिल पाता और कई बार जान बचाना मुश्किल हो जाता है. उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि रांची में हर हाल में एम्स की स्थापना की जाए, ताकि झारखंड की जनता को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं अपने राज्य में ही उपलब्ध हो सकें.

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि झारखंड सरकार लगभग 4100 करोड़ की लागत से रिम्स-2 की स्थापना की दिशा में कार्य कर रही है तथा इसके लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से ऋण लिया जा रहा है. उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि यदि 2000 करोड़ का सहयोग मिल जाए तो यह महत्वाकांक्षी परियोजना शीघ्र पूरी होगी और झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी.

डॉ. अंसारी ने कहा कि झारखंड आज भी मेडिकल कॉलेजों की संख्या के मामले में कई राज्यों से पीछे है. उन्होंने चतरा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, पाकुड़, रामगढ़, सिमडेगा और साहिबगंज सहित अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि इससे डॉक्टरों की कमी दूर होगी और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचेंगी.

साइबर अपराधी ने सेना का अफसर बन डॉक्टर के खाते से 2.99 लाख उड़ाये

बिभा संवाददाता

रांची। साइबर अपराधियों ने सेना का अफसर बनकर डॉक्टर हुमायूं के खाते से 2.99 लाख रुपये उड़ा लिया। खाते से पैसा निकालने के बाद दूसरे दिन सुबह साइबर अपराधियों ने पैसा वापस करने का फर्जी मैसेज भेजा। फोन कर अपनी गलती के लिए माफी मांगी। डॉक्टर हुमायूं अहमद ने वेबसाइट पर अपना फ्लैट किराये पर देने का विज्ञापन दिया। विज्ञापन के आधार पर आशीष कुमार पहाड़ी नाम के व्यक्ति ने उनका फ्लैट किराये पर लेने की इच्छा जतायी। खुद को सेना का अधिकारी बताया। अपनी बात को सही साबित करने के लिए उसने अपने नाम का आधार, पैन और सेना का पहचान पत्र सहित अन्य दस्तावेज डॉक्टर के वाट्सएप पर भेजा।

उन्हें अपने विश्वास में लेने के बाद उसने मकान किराया में लेने के लिए सेना के उच्चाधिकारियों से अनुमति के लिए डॉक्टर और उनकी पत्नी का आधार कार्ड मांगा। किराये के भुगतान के लिए बैंक खाते का ब्योरा मांगा। इसके बाद बैंक का फर्जी एप्लिकेशन भेज कर उसे डाउनलोड करने को कहा ताकि अग्रिम का भुगतान किया जा सके। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान साइबर अपराधियों ने 9232766139, 8769677293, 8375075847 और 7357940260 फोन नंबरों का इस्तेमाल किया। साइबर अपराधियों के झांसे में आकर डॉक्टर ने आधार, बैंक का ब्योर दे दिया। साथ ही साइबर अपराधियों की ओर से भेजे गये बैंक के फर्जी बैंक एप्लिकेशन को डाउनलोड कर लिया। इसके बाद देर रात उनके खाते से 2.99 लाख रुपये की निकासी का मैसेज आया। पैसा निकालने के बाद सुबह साइबर अपराधी ने फिर फोन किया और अपनी गलती मानी।

रांची में सीएएमएस के नए कार्यालय का हुआ उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची : देश की प्रमुख रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंसी, सीएएमएस (कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज) के नए रांची कार्यालय का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया।

सीएएमएस का मानना है कि रांची में इस नए कस्टमर सर्विस सेंटर के खुलने से झारखंड और आस-पास के इलाकों में निवेशकों और फाइनेंशियल संस्थानों को अच्छी क्वालिटी वाली, पारदर्शी और तेज सर्विस मिल सकेगी।

सीएएमएस देश भर में म्यूचुअल फंड, अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड , स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड और प्राइवेट इक्विटी फंड के लिए रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंसी के तौर पर सेवाएँ देता है और इन्वेस्टर सर्विस सेक्टर की प्रमुख कंपनियों में से एक है।

सीएएमएस का नया ऑफिस शहर के मुख्य फाइनेंशियल हब में से एक में खोला गया है। जिस बिल्डिंग में यह ऑफिस है, वहाँ कई नामी फाइनेंशियल संस्थान और कंपनियाँ भी मौजूद हैं। इसके अलावा, कई जानी-मानी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के ऑफिस भी आस-पास ही हैं, जिससे निवेशकों और डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए एक ही इलाके में कई तरह की फाइनेंशियल सेवाओं का लाभ उठाना आसान हो जाता है।

उद्घाटन समारोह में सीएएमएस के सीनियर अधिकारी तेजिंदर सिंह और सीएएमएस रांची सीएससी की पूरी टीम मौजूद थी। नए ऑफिस के उद्घाटन पर खुशी जाहिर करते हुए, मेहमानों ने टीम को शुभकामनाएं दीं और निवेशकों को बेहतरीन और भरोसेमंद सेवाएं देने के अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम का समापन मेहमानों के प्रति आभार व्यक्त करने और सभी के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

घर-घर भ्रमण कर 3647 बच्चों को पिलायी गई पल्स पोलियो की खुराक

रांची : सोमवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान जून -2026 के द्वितीय दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातु में कुल 268 टीमों के द्वारा कुल 21073 घरों में घर-घर भ्रमण कर कुल 3647 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। शेष बचे हुए बच्चों को 30.06.2026 को टीम के द्वारा घर -घर भ्रमण कर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। डॉ० सुजीत कुमार कश्यप, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातु, राँची के द्वारा बताया गया कि अपने लक्ष्य के अनुरूप लगभग 95 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिला ली गई है। साथ ही उन्होने अभिभावकों से अपील की है कि सभी 0 से 5 वर्ष के छूटे हुए बच्चों को कल अवश्य पोलियो की खुराक पिला लें।

शराब घोटाला: ईडी के समन पर पेश नहीं हुए रोहित उरांव, तीन सप्ताह का समय मांगा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के शराब घोटाले की जांच में सोमवार को नया घटनाक्रम सामने आया। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के बेटे रोहित उरांव प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के बावजूद रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने और उनके पिता रामेश्वर उरांव ने जांच में शामिल होने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है। फिलहाल इस अनुरोध पर ईडी ने कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है और मामला एजेंसी के वरिष्ठ स्तर पर विचाराधीन है।

ईडी ने शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में रोहित उरांव को 29 जून को पूछताछ के लिए तलब किया था। वहीं, पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह मामला झारखंड की नई उत्पाद नीति-2022 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। इससे पहले राज्य की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आबकारी नीति में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर एफआईआर (कांड संख्या 09/2025) दर्ज की थी। इसी एफआईआर को आधार बनाकर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईसीआईआर संख्या 10/2025 दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच एजेंसी का कहना है कि वह अवैध वित्तीय लेनदेन (मनी ट्रेल) की कड़ियों को जोड़ने के लिए दस्तावेजों, बैंक लेनदेन और डिजिटल साक्ष्यों का मिलान कर रही है।

गौरतलब है कि 23 अगस्त 2023 को ईडी ने रांची, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा और कोलकाता समेत 32 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान रोहित उरांव के रांची स्थित आवास से 30 लाख रुपये नकद बरामद होने का दावा किया गया था।

ईडी को संदेह है कि झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू होने के दौरान छत्तीसगढ़ की कुछ कंपनियों को शराब आपूर्ति और मैनपावर सप्लाई का काम दिलाने में प्रभावशाली लोगों की भूमिका रही। जांच एजेंसी विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की श्री ओम साई बेवरेजेज प्रा. लि. को झारखंड में ठेका दिलाने में रोहित उरांव की संभावित भूमिका की जांच कर रही है।

जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आए हैं कि नई उत्पाद नीति कथित रूप से छत्तीसगढ़ मॉडल के आधार पर तैयार की गई, टेंडर की शर्तों में बदलाव कर कुछ कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया तथा नकली होलोग्राम के जरिए अवैध शराब की बिक्री कर भारी कमीशन वसूला गया। हालांकि, इन आरोपों की जांच अभी जारी है और ईडी वित्तीय लेनदेन से जुड़े सभी तथ्यों की पड़ताल कर रही है।

मामले में अब जांच एजेंसी के अगले कदम और रोहित उरांव तथा रामेश्वर उरांव की पूछताछ की नई तारीख पर सभी की नजर बनी हुई है।

एसआईआर के तहत रांची में व्यापक मतदाता जागरुकता अभियान

बिभा संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के अंतर्गत रांची जिले के सभी चुनावी पाठशालाओं एवं विद्यालयों में गठित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से व्यापक मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी बनाते हुए यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची का हिस्सा न बने।

सभी चुनावी पाठशालाओं एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब में नोडल पदाधिकारियों की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भावी मतदाताओं, युवा मतदाताओं एवं क्लब के सदस्यों को विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की कार्ययोजना, गणना चरण की गतिविधियों और मतदाता सूची के शुद्धिकरण की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त लीफलेट एवं पोस्टरों के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन, विलोपन तथा अन्य निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में विशेष रूप से 1 अक्टूबर, 2026 तक अर्हता प्राप्त करने वाले नए मतदाताओं के समयबद्ध पंजीकरण पर बल दिया गया। विद्यार्थियों एवं युवाओं से अपील की गई कि वे अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के पात्र नागरिकों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।

चुनावी पाठशालाओं में आयोजित गतिविधियों के सफल संचालन में संबंधित बीएलओ एवं वालंटियरों ने सक्रिय सहयोग किया। आयोजित कार्यक्रमों का अनुश्रवण संबंधित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा किया गया। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन की समीक्षा करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

रांची जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी नागरिकों, विशेषकर पहली बार मतदान के पात्र बनने वाले युवाओं से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की गई है। नागरिकों से समय पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने, आवश्यक संशोधन कराने तथा अन्य पात्र नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया गया है। शुद्ध, अद्यतन एवं समावेशी मतदाता सूची ही स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सशक्त लोकतंत्र की सबसे मजबूत आधारशिला है। प्रत्येक पात्र नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 का उद्देश्य सफल होगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत बनेगी।

पूर्व रेलवे

सं.: ओ-एसी-टी-91 से 95-26-27 (खुली), दिनांक 26.06.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस सं. ओ-एसी-टी-91-26-27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में उखरा, पान्डवेश्वर, दुबराजपुर, कुनुरी और दूसरे यार्ड में यार्ड के सुधार के संबंध में यार्ड ड्रेनेज के प्रावधान के साथ-साथ दूसरे सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 13,22,99,183.51, **बयाना राशि:** रु. 26,46,000/- **कार्य की समापन अवधि:** 18 माह। **क्रम सं. 2, केस सं. ओ-एसी-टी-92-26-27, कार्य का नाम:** मंडल अभियंता/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में अण्डाल-तापसी के बीच ब्रिज नं. 35, 43 और 44 (टीबी कॉर्ड लाइन) एवं ब्रिज नं.13, 18, 19 और 20 की क्षतिग्रस्त विंग वॉल आदि की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 2,68,18,955.21, **बयाना राशि :** रु. 5,36,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 3, केस सं. ओ-एसी-टी-93-26-27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में एईएन/2/अण्डाल के खंड में लेवल क्रॉसिंग गेट लॉज की मरम्मत, नवीनीकरण और लेवल क्रॉसिंग गेटों पर अन्य विविध बुनियादी ढांचे की सुविधाओं के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 79,71,762.40, **बयाना राशि:** रु. 1,59,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** 9 माह। **क्रम सं. 4, केस सं. ओ-एसी-टी-94-26-27, कार्य का नाम:** डीईएन/4/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में सिउड़ी में टॉयलेट, डाइनिंग, किचन/मेस आदि सहित प्रशासनिक भवन के साथ 20 बेड वाले नए आरपीएफ बैरक के निर्माण के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 1,23,04,860.94, **बयाना राशि:** रु. 2,46,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 5, केस सं. ओ-एसी-टी-95-26-27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/I/आसनसोल के अधीन एईएन/II/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र में कालूबथान स्टेशन यार्ड में अप और डाउन लूप लाइनों के विस्तार के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 4,19,03,415.19, **बयाना राशि:** रु. 8,38,100/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 22.07.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-155/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

108 कलशों से महास्नान के बाद एकांतवास में गए भगवान जगन्नाथ, अब 15 दिन नहीं होंगे दर्शन

जड़ी-बूटियों के काढ़े और खिचड़ी का लगेगा भोग, 16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथ यात्रा; तैयारियां शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में बुधवार को देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान जगन्नाथ का विधि-विधान के साथ 108 कलशों के जल से महास्नान कराया गया। प्रत्येक कलश में जल के साथ दूध, नारियल पानी और गंगाजल मिलाकर भगवान का अभिषेक किया गया। महास्नान के बाद षोड़षोपचार पूजन, हवन और महाआरती संपन्न हुई। धार्मिक मान्यता के अनुसार महास्नान के उपरांत भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भगवान जगन्नाथ को 15 दिनों के एकांतवास (अनासर काल) के लिए मंदिर के विशेष कक्ष में विराजमान किया गया है। इस अवधि में श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन नहीं होंगे। भगवान के अस्वस्थ होने की मान्यता के चलते श्रद्धालु उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए तृतीया तिथि से जड़ी-बूटियां अर्पित करना शुरू करेंगे। एकांतवास के दौरान मंदिर के सिंहासन पर भगवान के मुकुट की पूजा होगी तथा भगवान को गर्म वस्त्र पहनाए जाएंगे। 15 जुलाई को भगवान अपने नवयौवन स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। इसके अगले दिन 16 जुलाई को पूजा-पाहुंडी की रस्म के बाद दोपहर एक बजे भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। पूजा-पाहुंडी की परंपरा का निर्वहन बीएसएल के डायरेक्टर इंचार्ज की ओर से किया जाएगा। रथ यात्रा सेक्टर-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर सेक्टर-1 स्थित राम मंदिर तक जाएगी। इसमें झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। 24 जुलाई को बहुरा यात्रा (वापसी रथ यात्रा) के साथ भगवान अपने धाम लौटेंगे। परंपरा के अनुसार माता रुक्मिणी के नाराज होने के कारण मंदिर का द्वार तत्काल नहीं खुलता, जिसके चलते भगवान को तीन दिनों तक मंदिर के बाहर ही विराजमान रहना पड़ता है।

बीमार भगवान को लगेगा जड़ी-बूटियों का भोग

एकांतवास के दौरान भगवान को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ दालचीनी, जावित्री, काली मिर्च, लौंग और इलायची से तैयार औषधीय काढ़ा तथा खिचड़ी का भोग अर्पित किया जाएगा। पंडित मानस आचार्या ने बताया कि भगवान को मीठा प्रिय है। इसलिए अदरक के रस और काली मिर्च से तैयार विशेष पेड़े का भी भोग लगाया जाएगा। इस अवधि में प्रतिदिन होने वाली पांच आरतियों के स्थान पर केवल एक बार आरती होगी। पंडित हिमांशु शेखर दास एवं पंडित मानस आचार्या ने बताया कि इस वर्ष भी पिछले वर्षों की तरह भव्य और आकर्षक रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और सभी ने भगवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा सफल रथ यात्रा की कामना की।

तेज बारिश में आकाशीय बिजली से किशोर की दर्दनाक मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो सिटी थाना क्षेत्र के बोकारो एयरपोर्ट के पास रविवार की देर दोपहर में आकाशीय बिजली गिरने से 17 वर्षीय आलोक कुमार तुरी की मौत हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मृतक की पहचान सेक्टर-13 निवासी आलोक के रूप में की है। परिवार के अनुसार, आलोक अपनी मौसी को लेने के लिए एयरपोर्ट गया था। शुरू में बारिश नहीं रही, लेकिन कुछ देर बाद तेज गर्जना और झमाझम बरसात शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए आलोक पास के पेड़ के नीचे छिप गया – तभी आकाशीय बिजली गिरने से उसे गंभीर चोटें आईं। काफी देर तक घर न लौटने पर परिजन व स्थानीय लोग उसकी तलाश में निकले तो एयरपोर्ट के पास उसकी मोटरसाइकिल वहीं खड़ी मिली। खोजबीन के बाद आलोक एक गड्ढे में बेहोश पड़ा मिला।

स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत बोकारो सदर अस्पताल पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी व लोगों के बयान के आधार पर प्रतीत होता है कि बज्रपात के चलते आलोक पर चोटें आईं, जिससे उसकी मृत्यु हुई है। घटना की तफ्तीश सिटी थाने की टीम कर रही है। मृतक के पिता बोकारो शहर के बीएसएल एटीएम बिल्डिंग के कैंटीन में कार्यरत हैं। पिता ने बताया कि उन्हें कार्यस्थल से फोन कर सूचित किया गया कि उनका पुत्र बिजली गिरने से घायल हुआ है। वे तुरंत सदर अस्पताल पहुंचे जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें पुत्र की मौत की सूचना दी। पिता ने कहा कि आलोक इंटर पास कर स्नातक में दाखिला लिया था और परिवार पर यह बड़ा सदमा है। माँ ने रोते हुए बताया कि उनका बेटा मौसी को लेने गया था और तेज बारिश में पेड़ के नीचे छिपने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने के कारण उसकी मृत्यु हुई।आसपास के लोग और परिजन घटना से गहरे आहत हैं।

संक्षिप्त खबरें

अवैध खनन पर कार्रवाई: पेटरवार के पास शर्मा होटल के समीप तीन ट्रैक्टर जब्त

बोकारो(बिभा)। उपायुक्त बोकारो के निर्देश पर सोमवार को पेटरवार थाना क्षेत्रों में विशेष छापामारी अभियान चला गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से बालू खनन कर परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर दांतू से खेतको जाने वाले मुख्य पथ के समीप शर्मा होटल के पास पकड़ाये गए। पकड़े गए वाहनों को मौके से जब्त कर पेटरवार थाना को सुपुर्द कर दिया गया। अभियान में खान निरीक्षक श्री अजय कुमार महतो और खान निरीक्षक श्री सीताराम टुडू की प्रमुख भूमिका रही। पेटरवार थाना प्रभारी श्री राजू मुण्डा और स्थानीय पुलिस बल भी कार्रवाई के दौरान मौजूद थे। प्राथमिक जांच में पाया गया कि ट्रैक्टरों में परिवहित बालू बिना अनुमति के लदी हुई थी, जिसे कानून के तहत जब्त कर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पेटरवार पुलिस ने बताया कि इस तरह की निगरानी आगे भी जारी रहेगी और अवैध खनन तथा अवैध परिवहन के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि खान नियमों का उल्लंघन कर रहे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी ताकि क्षेत्र में अवैध खनन रोका जा सके और पर्यावरण व सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बालीडीह मोड़ स्थित दुर्गा मंदिर पर वज्रपात, शिखर के तीन हिस्से क्षतिग्रस्त

बोकारो(बिभा): बोकारो के बालीडीह मोड़ स्थित दुर्गा मंदिर पर सोमवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से मंदिर के शिखर का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वज्रपात की इस घटना में मंदिर के ऊपरी भाग के तीन स्थानों पर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में किसी मंदिर पर वज्रपात की यह पहली घटना मानी जा रही है, जिससे आसपास के लोगों में आश्चर्य और चिंता का माहौल है। बताया गया कि मंदिर का पुनर्निर्माण करीब डेढ़ से दो वर्ष पहले ही कराया गया था। हालांकि, अभी तक मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न नहीं हुआ है। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मंदिर परिसर पहुंचे और क्षतिग्रस्त हिस्से का जायजा लिया। वहीं, लगातार खराब मौसम और वज्रपात की घटनाओं को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की जा रही है।

जन वितरण प्रणाली दुकान में 5 दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो(बिभा)। मेरा युवा भारत,बोकारो (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा युवाओं को सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली का व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 25 जून 2026 से 30 जून 2026 तक रितुडीह, बोकारो स्थित जन वितरण प्रणाली दुकान में 5 दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमन कुमार, सोनाली कुमारी, संदीप कुमार, सुधा कुमारी एवं सुस्मिता कुमारी सहित कुल 05 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जन वितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली, राशन वितरण, ई-पॉस मशीन का संचालन, लाभुक सत्यापन, स्टॉक प्रबंधन एवं डिजिटल सेवाओं की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, वे लाभुकों को राशन कार्ड, आधार एवं मोबाइल नंबर अद्यतन कराने तथा जन वितरण प्रणाली से संबंधित जागरूकता गतिविधियों में सहयोग कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यावहारिक समझ विकसित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम जन वितरण प्रणाली दुकान संचालिका श्रीमती रेखा देवी के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागी दुकान के दैनिक संचालन एवं वितरण व्यवस्था का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। जिला युवा पदाधिकारी, मेरा युवा भारत, बोकारो, श्री गौरव कुमार ने बताया कि इस प्रकार के अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सरकारी योजनाओं एवं सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली से जोड़ना तथा उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व, पारदर्शिता एवं सुशासन के प्रति समझ विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं के ज्ञान, कौशल एवं जनसेवा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिंदल में रोजगार मार्च को लेकर दो विस्थापित गांव भिड़े, एक गुट ने किया हमला, खदेड़ा

बिभा संवाददाता

दुगदा : जिंदल कंपनी में रोजगार की माँग को लेकर दो विस्थापित गुट आपस में भिड़ गए। ज्ञात हो कि बुढींडीह में जिंदल कंपनी आई है। जिसमें दुग्धा और बुढींडीह ग्राम के विस्थापित रोजगार के मांग रखी है। विवाद इस बात की है कि बुढींडीह के विस्थापितों का कहना है कि बुढींडीह में कंपनी बैठी है इसलिए रोजगार का अधिकार उनलोगों का है। जबकि दुग्धा के विस्थापितों ने भी विस्थापित होने के नाते रोजगार की मांग की । इसी को लेकर सोमवार को दुगदा पूर्वी स्थानीय विस्थापित बेरोजगार मंच के बैनर तले सोमवार को जिंदल कंपनी को रोजगार की मांग को लेकर मांग पत्र सौंपने जा रहें ग्रामीणों को बुढींडीह के बिस्थापित ग्रामीणों ने कोल वाशरी मोड़ के समीप हमला कर किया। साउंड से लदे वाहन को भी लाठी डंडे से मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना में दुगदा बस्ती कई लोगों की चोटिल होने की सूचना है। दुगदा पूर्वी स्थानीय विस्थापित बेरोजगार मंच के बैनर तले शांति मार्च में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष नारेबाजी करते हुए दुगदा कोल वाशरी जाने के क्रम में कोल वाशरी मोड़ के समीप पूर्व से जमे बुढींडीह के ग्रामीणों ने शांति मार्च में शामिल ग्रामीणों पर एकाएक टूट पड़े और लाठी डंडे से मारपीट करने लगे और उनको खदेड़ दिया। दुगदा पूर्वी के ग्रामीणों ने मारपीट किये जाने की सूचना दुगदा थाना को दी और दोषी लोगों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगें। दोनों पक्षों की तनाव को देखते हुए चंद्रपुरा बीडीओ ईश्वर दयाल महतो, दुगदा थाना प्रभारी मनीष कुमार, बोकारो झरिया ओपी प्रभारी श्रीनीवास सिंह ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। समाचार लिखे जाने तक स्थिती नियंत्रण में है। दुगदा पूर्वी पंचायत के मुखिया रितलाल रजक ने बताया कि शांति मार्च के साथ ग्रामीणों ने जिंदल कंपनी को मांग पत्र सौंपने जा रहे थे इसी दौरान दुगदा कोल वाशरी मोड़ के समीप बुढींडीह के ग्रामीणों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। शांति मार्च निकालनें की लिखित सूचना उपायुक्त बोकारो, दुगदा थाना को लिखित सूचना दी गई थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार नहीं करती है तो एसपी के समक्ष न्याय की गुहार लगायेंगे न्याय नहीं मिलने पर थाना का घेराव भी किया जाएगा। इधर चर्चा है की जिन्दल कम्पनी दोनो गाँव को आपस मे लड़वा कर अपना काम निकालना चाह रहा है, वहीं कुछ लोग कम्पनी मे अपना वर्चस्व कायम करने के लिए भी मामले को तुल दे रहे है ।

पेटरवार में निर्माणाधीन फोरलेन पुल के पास कार पलटी, सेना का जवान ने मौके पर ही तोड़ा दम

बिभा संवाददाता

पेटरवार (बोकारो): बीते देर रात पेटरवार के निकट निमार्णाधीन फोरलेन पुल के पास एक कार अनियंत्रित होकर पलट गयी, जिसमें कार सवार एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह नामकुम में तैनात सेना का अधिकारी/जवान बताया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना वाली कार का रजिस्ट्रेशन नम्बर एमएच 12 एफएफ 5874 है। घटना के समय कार में बैठे दूसरे व्यक्ति ने मौके से फरार हो जाने की सूचना मिली है। मृतक का मोबाइल लॉक होने के कारण परिजनों से तुरंत संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है।

स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के कारणों और फरार व्यक्ति की पहचान व लोकेशन का पता लगाने के लिए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मौके पर मौजूद कुछ नागरिकों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी और चालक नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन पुल के पास पलट गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, ?हम दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रहे हैं, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर घटनाक्रम स्पष्ट किया जाएगा। फरार व्यक्ति की शीघ्र पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

ब्रह्मर्षि परिवार की मासिक बैठक सामाजिक सेवा व छात्रों के लिए सहायता देने का निर्णय

बिभा संवाददाता

बोकारो: ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की मासिक बैठक आज सेक्टर-8 स्थित बालाजी उत्सव मंडप में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरूआत महान किसान नेता, समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं श्रद्धांजलि देकर की गई। वक्ताओं ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन को किसानों, मजदूरों और शोषित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने जमींदारी प्रथा और अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर किसानों को संगठित किया और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। वक्ताओं ने बताया कि उनका जीवन संघर्ष, त्याग और समाज सेवा का प्रेरणास्त्रोत है और आज के समय में उनके विचार व आदर्श वंचितों के उत्थान के लिए प्रासंगिक हैं। उपस्थित सदस्यों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बैठक में ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की 35 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। नवगठित समिति को संगठन की गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दूरदराज क्षेत्रों से बोकारो आने वाले प्रतियोगी और अन्य परीक्षाओं में सम्मिलित छात्रों को रहने, भोजन व आवश्यक सहयोग यथासंभव उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे बिना किसी कठिनाई के परीक्षा में भाग ले सकें। साथ ही समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने हेतु आगामी कार्यक्रमों में उनके सम्मान का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में संचालन समिति के सदस्यों के अतिरिक्त सैकड़ों ब्रह्मर्षि परिवार के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें कमलेश राय, राजीव कुमार राय, डी.एन. सिंह, नग नारायण प्रसाद शाही, विमल शर्मा, सुनील कुमार राय, शैलेंद्र कुमार राय, नवीन कुमार, संदीप कुमार, अभिषेक कुमार, एस.के. चौधरी, नवल किशोर शर्मा, रामाकांत शर्मा, रामयश ओझा, नवलेश कुमार, विजय कुमार ठाकुर, ए.के. चौधरी, विनोद कुमार पांडे, अस्मित कुमार, रंधीर कुमार, अशोक सिंह, नारायण ठाकुर, रामश्लोक शर्मा आदि शामिल थे।

सतत अधिगम ही उत्कृष्ट शिक्षण की आधारशिला है और प्रशिक्षित शिक्षक सशक्त राष्ट्र के निर्माता: एस के मिश्रा

बिभा संवाददाता

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 में आयोजित त्रि-दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आज गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में डीएवी -4 तथा डीएवी इस्पात विद्यालयों के लगभग 300 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर शिक्षा के प्राथमिक,माध्यमिक एवं उच्चतर स्तरों के शैक्षणिक एवं प्रायोगिक विकास संबंधी सत्रों का लाभ उठाया।

कार्यशाला के दौरान उपस्थित अति प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सनस जिनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय राहुल रॉय (सीबीएसई ट्रेनर चिन्मया विद्यालय,बोकारो स्टील सिटी), श्रीमती झूमा महता(प्राचार्या डीएवी मुग्मा), एवं मृणाल पाठक (असिस्टेंट प्रोफेसर बीआईटी मिश्रा) ने शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल शिक्षा, नवाचार आधारित शिक्षण, पर्यावरणीय जागरूकता, प्रभावी कक्षा-शिक्षण तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास जैसे विविध विषयों पर व्यावहारिक एवं ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रतिभागी शिक्षकों ने संवादात्मक गतिविधियों, समूह चचाओं एवं अभ्यास सत्रों के माध्यम से अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने कहा कि शिक्षक का सतत सीखना ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि क्षमता संवर्धन कार्यशालाएँ शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक प्रवृत्तियों, नवाचारों एवं आधुनिक शिक्षण तकनीकों से जोड़ती हैं, जिससे विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रचनात्मक और आनंददायक बनती है।

उन्होंने त्रि दिवसीय कार्यशाला में अपना सत्र प्रस्तुत करने वाले सभी रिसोर्स पर्सन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव, विशेषज्ञता और प्रेरक मार्गदर्शन ने इस कार्यशाला को अत्यंत सार्थक एवं सफल बनाया। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागी शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता, सीखने की प्रतिबद्धता और उत्साह की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का सकारात्मक प्रभाव विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अवश्य दिखाई देगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं शांति पाठ के साथ पूर्ण हुआ।

वेदांता ने एक दशक में सरकारी खजाने में करीब 5 लाख करोड़ का योगदान दिया

बिभा संवाददाता

बोकारो: विविध प्राकृतिक संसाधनों में देश की अग्रणी कंपनी वेदांता लिमिटेड (बीएसई : 500295, एनएसई: वीईडीएल) ने अपनी 11वीं टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी ने सरकारों के खजाने में कुल रु 62,722 करोड़ का योगदान दिया। यह कंपनी के कुल टर्नओवर का 36 प्रतिशत है और अब तक का दूसरा सबसे अधिक वार्षिक योगदान है।

कंपनी ने कहा कि यह रकम पिछले वर्ष की तुलना में 13.3 प्रतिशत अधिक है। पिछले दस वर्षों में वेदांता का कुल योगदान अब रु 4,83,034 करोड़ हो गया है। वेदांता ने टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट को देश के निर्माण और पारदर्शी प्रशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया है और यह भी कहा कि समूह देश के टॉप तीन प्राइवेट सेक्टर दाताओं में शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में वेदांता का परिचालन प्रदर्शन भी मजबूत रहा। कंपनी का कुल राजस्व 15 प्रतिशत बढ़कर रु 1,74,075 करोड़ हो गया – कंपनी के इतिहास में सबसे अधिक – जबकि ईबिट्डा 29 प्रतिशत बढ़कर रु 55,976 करोड़ पहुंचा। कर के बाद मुनाफा 22 प्रतिशत बढ़कर रु 25,096 करोड़ हुआ। शुद्ध ऋण-से-इबीटिडा अनुपात 1.22 से सुधरकर 0.95 पर आ गया, जो 14 तिमाहियों में इसका सबसे अच्छा स्तर बताया गया है।

ग्रुप के विविध व्यवसायों – जिनमें जिंक-लेड-सिल्वर, एल्युमिनियम, कॉपर, आयरन ओर, स्टील, पावर, निकेल, क्रोम, और ऑयल एंड गैस शामिल हैं – में बेहतर ऑपरेशनल प्रदर्शन के चलते यह वित्तीय परिणाम हासिल हुए। क्षेत्रवार योगदान में जिंक सबसे आगे रहा, जिसका योगदान रु 19,053 करोड़ रहा; इसके बाद एल्युमीनियम का रु 15,788 करोड़ और ऑयल एंड गैस का रु 11,697 करोड़ का योगदान रहा।

वेदांता की टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में योगदान के प्रमुख घटक इस प्रकार हैं:

सरकारी रॉयल्टी और प्रॉफिट पेट्रोलियम: रु 14,840 करोड़ (राज्य सरकारों और केंद्र को मिनरल रॉयल्टी तथा प्रोडक्शन शेयरिंग के तहत भुगतान), इंडायरेक्ट टैक्स: रु 21,777 करोड़ (सीजीएसटी/एसजीएसटी/आईजीएसटी सहित),अन्य कर एवं शुल्क: रु 11,897 करोड़ (एक्सपोर्ट/इम्पोर्ट ड्यूटी, ऑयल सेस/एनसीसीडी, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी, इनएलिजिबल जीएसटी आदि)

इनकम व कैपिटल टैक्स: रु 8,290 करोड़ (कानूनी रूप से दाखिल कॉर्पोरेट टैक्स),विदहोल्डिंग टैक्स: रु 3,188 करोड़ (पेरोल और सोर्स-वर्क भुगतान पर कटौती)

भारत सरकार को कॉर्पोरेट डिविडेंड: रु 1,180 करोड़ (हिन्दुस्तान जिंक में सरकार की हिस्सेदारी के जरिए भुगतान),कंपनी ने कहा है कि करों में पारदर्शिता उसके ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस) एजेंडा का प्रमुख अंग है। वेदांता लगातार 11 वर्षों से टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट जारी कर रही है और बी-टीम रिस्पॉन्सिबल टैक्स प्रिंसिपल तथा एक्सट्रैक्टिव इंडस्ट्रीज ट्रांसपेरेंसी इनिशिएटिव जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ जुड़कर जिम्मेदार कॉर्पोरेट प्रशासन को बढ़ावा देती आ रही है।

विस्तृत टैक्स ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट और वित्तीय विवरण देखने के लिए कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर रिपोर्ट उपलब्ध है।

दूसरे दिन घर घर दी गई पोलियो की दवा

बोकारो। जरीडीह प्रखंड तुपकाडीह के तीन पंचायतों में दूसरे दिन घर घर जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। 15 बूथों काम कर रही आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाएं , सहिया व अन्य कार्यकताओं ने अपनी सेवा पोलियो मुक्त भारत बनाने पर कार्य करती दिखीं। पल्स पोलियो अभियान का समापन तीसरे दिन मंगलवार को होगा।

30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा प्रत्येक मतदाता से भरवारा जाएगा गणक प्रपत्र

बिभा संवाददाता

रामगढ़: जिला समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले एन्यूमरेशन फेज के दौरान मतदाताओं से किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे। इस अवधि में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को दो प्रति में गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे, जिसे मतदाता भरकर एवं हस्ताक्षर कर बीएलओ को जमा करेंगे। इसके उपरांत एक प्रति रिसीविंग कर मतदाता को उपलब्ध करा दी जाएगी वहीं दूसरी प्रति कार्यालय में जमा होगी।

उपायुक्त ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों, राज्य से बाहर अध्ययनरत छात्रों एवं अन्य अनुपस्थित मतदाताओं के लिए परिवार का कोई वयस्क सदस्य इसीआईनेट पोर्टल अथवा बीएलओ के माध्यम से गणना प्रपत्र प्राप्त कर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से जमा कर सकता है। सत्यापन अवधि 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक चलेगी, जिसमें केवल चिन्हित मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज मांगे जाएंगे। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती एसआईआर की मतदाता सूची में नाम दर्ज मतदाताओं को अतिरिक्त

दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं, जिन मतदाताओं अथवा उनके माता-पिता का नाम पूर्व एसआईआर सूची में नहीं है, उन्हें आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-अभिप्रमाणित प्रति जमा करनी होगी।

निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार 05 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 07 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 7,55,455 मतदाताओं में से 6,16,585 मतदाताओं का मैपिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जो 81.62 प्रतिशत है। वहीं 1,38,870 मतदाताओं का मैपिंग कार्य शेष है।

उपायुक्त ने बताया कि 30 जून को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक 22-बड़कागांव एवं 23-रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों परबीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए पोस्टर एवं प्रचार-प्रसार सामग्री का वाचन किया जाएगा तथा विशेष हैशटैग अभियान #झारखंडएसआईआर के साथ निर्वाचन जागरूकता से संबंधित सामग्री का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक प्रसार-प्रचार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ईंएलसी के सदस्य, संबंधित मतदान केंद्र के मतदाता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भाग लेंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी से बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मी निर्धारित समयावधि में इसीआईनेट मोबाइल ऐप डाउनलोड कर उसका उपयोग सुनिश्चित करेंगे, जिससे मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं प्रभावी बनाया जा सके।

प्रेस वार्ता में उप जिला निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी कृष्णा मुरारी तिर्की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे।

चंदवा पुलिस ने रेची गांव में चलाया जनजागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा; पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार चंदवा थाना पुलिस ने सोमवार को प्रखंड के रेची गांव में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को साइबर अपराध, अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी, महिला सुरक्षा, सामाजिक कुरीतियों और नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ संवाद कर उन्हें विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, एटीएम नंबर, ओटीपी, सीवीवी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा नहीं करें। किसी भी संदिग्ध कॉल या ऑनलाइन लेनदेन की स्थिति में तत्काल पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी गई।अधिकारियों ने अवैध मादक पदार्थों की खेती और तस्करी पर भी सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि इसकी सूचना पुलिस को देने वाले लोगों के लिए सरकार द्वारा इनाम

की व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे समाज को अपराधमुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें।अभियान के दौरान घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही डायल-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 और साइबर हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई।चंदवा थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत शराब और अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से भी ग्रामीणों को अवगत कराया तथा युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। अभियान के अंत में ग्रामीणों ने पुलिस की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी हर स्तर पर सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

संक्षिप्त खबरें

सूचना मिलते ही एक घंटे में हटाया गया कचरा, मेयर की त्वरित पहल

हजारीबाग(बिभा) : हुरहुरु क्षेत्र के स्थानीय लोगों द्वारा कचरा जमा होने की सूचना मिलते ही नगर निगम के मेयर अरविन्द राणा ने

तत्परता दिखाते हुए मात्र एक घंटे के भीतर कचरा उठाव का कार्य पूरा कराया। मेयर की इस त्वरित कार्रवाई को क्षेत्रवासियों ने जनहित और स्वच्छता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिचायक बताया। मेयर ने कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखना नगर निगम के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। नगर निगम क्षेत्र के किसी भी वार्ड, मोहल्ले या सड़क पर कचरा, गंदगी अथवा साफ-सफाई से जुड़ी समस्या दिखाई देने पर नागरिक इसकी सूचना नगर निगम या संबंधित अधिकारियों को दे सकते हैं। सूचना प्राप्त होते ही समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनभागीदारी और प्रशासन की तत्परता से ही स्वच्छ नगर का सपना साकार हो सकता है। शहर की साफ-सफाई बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है और इसमें हर नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। स्थानीय लोगों ने भी नगर निगम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाता रहेगा।

स्मार्ट बनो, स्वस्थ रहो : यूकेजी अल्फा एवं यूकेजी ब्रावो में मनाया गया बेवरेजेस डे

रामगढ़(बिभा): श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल रामगढ़ के यूकेजी अल्फा एवं यूकेजी ब्रावो के नन्हे विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बेवरेजेस डे मनाया। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने सर्कल टाइम के दौरान विभिन्न पेय पदार्थों के चित्र दिखाकर बच्चों को उनके बारे में

जानकारी दी। वातार्लाप सत्र में बच्चों के साथ स्वास्थ्यवर्धक एवं अस्वास्थ्यकर पेय पदार्थों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि बाजार में मिलने वाले कई फ्लेवर्ड ड्रिंक्स में कृत्रिम फ्लेवर और अत्यधिक चीनी होती है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। चर्चा का निष्कर्ष यह रहा कि पानी सबसे उत्तम और स्वास्थ्यवर्धक पेय है। गतिविधि को रोचक एवं अनुभवात्मक बनाने के लिए बच्चों ने स्वयं नींबू से ताजा नींबू पानी तैयार किया और उसका आनंद लिया। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वस्थ पेय पदार्थों के महत्व को व्यावहारिक रूप से समझा। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने इस अवसर पर शिक्षिकाओं के सराहनीय प्रयासों तथा विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण सहभागिता की प्रशंसा करते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा तथा विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य मनमोहन सिंह लांबा, हरपाल सिंह अरोड़ा, विक्रमजीत सिंह कोहली, गुरप्रीत सिंह चाना, रमन बेदी और करमजीत सिंह जग्गी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राजकीय कृत मध्य विद्यालय चंदवा के पूर्व शिक्षक नामधारी सिंह की पुत्रवधू बनी सहायक आचार्य

लातेहार/चंदवा(बिभा)। झारखंड सरकार ने सोमवार को 1,042 नव-चयनित इंटर और स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस सूची में राजकीय कृत मध्य विद्यालय, चंदवा के पूर्व शिक्षक नामधारी सिंह की पुत्रवधू, सीमा कुमारी (आयु 28), भी शामिल हैं। सीमा का परिवार चंदवा में विद्यालयी

शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। उन्होंने स्नातक के बाद शिक्षक प्रशिक्षण पूरा किया और जिला शिक्षण विभाग के चयन प्रक्रिया में सफल रही।समारोह मुख्यालय स्थित शिक्षा विभाग कार्यालय में आयोजित किया गया जिसमें शिक्षा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों ने नव-नियुक्तों को बधाई दी। अधिकारीयों ने कहा कि इन सहायक आचार्यों की नियुक्ति से ग्रामीण स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की यह नियुक्ति छात्र-शिक्षक अनुपात को संतुलित करेगी और स्कूलों में शैक्षिक गतिविधियों को सुदृढ़ करेगी।सीमा ने कहा कि वह अपने गांव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित हैं और अपने ससुराल और परिवार के सहयोग का आभार व्यक्त किया।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उपायुक्त ने की प्रेस वार्ता

आज से बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण करेंगे

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

इस अवसर पर उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जिलेवासियों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के आलोक में 01 अक्टूबर 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को

त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा अपात्र नामों को हटाया जा सके।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 20 जून से 29 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं प्रिंटिंग कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसके पश्चात 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण करेंगे।

29 जुलाई 2026 तक मतदान केंद्रों का पुनर्गठन किया जाएगा, 05 अगस्त 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्तियां दर्ज की जाएंगी तथा 05 अगस्त से 03 अक्टूबर 2026 तक नोटिस एवं दावे/ आपत्तियां का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र मतदाता बीएलओ को गणना प्रपत्र हस्ताक्षर के साथ समय पर भरकर जमा करें। यदि किसी मतदाता का नाम छूट गया हो अथवा किसी प्रकार की त्रुटि हो, तो निर्धारित अवधि में दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत कर उसका निराकरण कराया जा सकता है।

उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें।

न्यायाधीश सुनील दत्त द्विवेदी की अदालत में, आरोपियों को 10-10 वर्षों का सश्रम कारावास एवं जुर्माना

बिभा संवाददाता

लातेहार। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त द्विवेदी की अदालत ने हत्या का प्रयास करने के सात आरोपियों को 10-10 वर्षों का सश्रम कारावास एवं अधिकतम 20-20 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सोमवार को सुनाया है। प्रभारी लोक अभियोजक शिव शंकर राम के अनुसार विगत 22.7 2020 की सुबह चंदवा थाना क्षेत्र के डरैया सुरली ग्राम निवासी कृष्ण यादव के ऊपर उसके ही रिश्तेदार जुगल किशोर यादव, पीतांबर यादव, सविता देवी, शीला देवी, रामा यादव ,जितेंद्र यादव एवं सुदामा यादव ने कातिलाना हमला किया था, जिससे वे, उनकी पत्नी देवन्ती देवी एवं पिता मछिंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद शाम को सभी आरोपियों ने एकजुट होकर टांगी आदि लेकर सूचक कृष्ण यादव के घर पहुंच कर उनके ऊपर कातिलाना हमला कर दिया था, जिसमें सूचक कृष्ण यादव उनकी पत्नी देवंती देवी एवं पिता मछिंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आरोपियों ने टांगी से कृष्ण यादव के सर में मारा था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था ।अदालत ने सत्रवाद संख्या 34/ 2023 के तहत सुनवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध भादवि धारा 307 ,324 एवं 323 का आरोप सिद्ध पाया। अदालत ने सभी आरोपियों को भादवि की धारा 307 के तहत 10 -10 वर्षों का सश्रम कारावास एवं 20-20 हजार रुपए जुमार्ना, भादवि की धारा 324 के तहत तीन-तीन वर्षों का सश्रम कारावास एवं पांच - पांच हजार रूपए का जुमार्ना एवं भादवि की धारा 323 के तहत एक-एक वर्ष का कारावास एवं एक - एक हजार रूपए जुमार्ना की सजा सुनाया है। सभी सजायाफ्ता को लातेहार जेल भेज दिया गया है। सजायाफ्ता में दो महिला एवं चार पुरुष हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान-झारखंड ने जन जागरण केंद्र की महिला कृषक सरिता देवी को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई), गौरियाकरमा के 12वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जन जागरण केंद्र से जुड़ी विष्णुगढ़ प्रखंड की महिला कृषक सरिता देवी को सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव व निदेशक सह उपकुलपति डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव ने प्रदान किया। सरिता देवी पूरे हजारीबाग जिले की एकमात्र महिला किसान रहीं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे बिरसा मुंडा एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की निदेशक भी हैं और किसानों को संगठित कर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान झारखंड के मार्गदर्शन में प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रही हैं। जन जागरण केंद्र के

सचिव संजय सिंह ने बताया कि यह सम्मान कृषि क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। संस्था विष्णुगढ़ प्रखंड के चलकरी, कलजारवा, भंडारी, टाटी झरिया और चूरचू सहित विभिन्न गांवों में रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। इन गांवों में किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जन जागरण केंद्र के सचिव संजय सिंह ने कहा कि सरिता देवी को मिला यह सम्मान केवल एक किसान का नहीं, बल्कि उन सभी किसानों की मेहनत और समर्पण का सम्मान है, जो प्राकृतिक एवं रसायन मुक्त खेती को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन जागरण केंद्र का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना है। संस्था आने वाले समय में जिले के अधिक से अधिक गांवों को रसायन मुक्त खेती से जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाएगी, ताकि किसानों की आय बढ़े, मिट्टी की उर्वरता सुरक्षित रहे और लोगों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध हो सके।

हूल दिवस पर प्रकृति संरक्षण का अनोखा संदेश, सागवान के पत्ते पर आमंत्रण देकर सांसद मनीष जयसवाल को दिया गया पारंपरिक न्योता

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हूल दिवस के पावन अवसर पर खोड़ाहार आदिवासी समाज ने परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए समाज के पदाधिकारी सुनील टोप्पो ने सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी के पहल पर हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल को सागवान के हरे-भरे पत्ते पर लिखकर पारंपरिक आमंत्रण पत्र भेंट किया और उन्हें 30 जून (मंगलवार) हूल दिवस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। यह पहल केवल एक औपचारिक आमंत्रण नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरे जुड़ाव और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश भी थी। सागवान के पत्ते में आमंत्रण देकर यह दिखाया कि कैसे बिना कागज के उपयोग के भी पारंपरिक तरीकों से महत्वपूर्ण

संदेश पहुंचाया जा सकता है, जिससे पेड़ों की कटाई को कम किया जा सके और प्रकृति को संरक्षित रखा जा सके। इस अवसर पर आदिवासी समाज के सचिव सुनील टोप्पो व सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों ने संयुक्त रूप से सागवान के पत्ते पर लिखा आमंत्रण पत्र सांसद को सौंपा और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। सांसद मनीष जयसवाल ने इस पहल की खुले मन से सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति का संरक्षक रहा है। उनकी जीवनशैली में पर्यावरण के प्रति गहरी समझ और संवेदनशीलता दिखाई देती है, जो आज के समय में पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब पर्यावरण असंतुलन एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, ऐसे में प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। सागवान के पत्ते पर आमंत्रण देना एक छोटा प्रयास जरूर है, लेकिन इसका संदेश बहुत बड़ा और दूरगामी है।

30 जून तक शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ठऋरअ), झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (खरऋरर), लाभुकों के ई-केवाईसी, धान अधिप्राप्ति भुगतान सहित विभिन्न योजनाओं की प्रखंडवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने ठऋरअ के अंतर्गत प्रखंडवार खाद्यान्न वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी मार्केटिंग अफसरों को 30 जून तक शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र लाभुक खाद्यान्न से वंचित नहीं रहना चाहिए।

बैठक में झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (हरा राशन कार्ड) के अंतर्गत आच्छादित लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण की अद्यतन स्थिति की भी

समीक्षा की गई। जिन प्रखंडों में उपलब्धि कम पाई गई, वहां के मार्केटिंग अफसरों को वितरण में सुधार कर अधिकतम उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने चना दाल, चीनी, नमक तथा धोती/लुंगी एवं साड़ी के आवंटन एवं वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने कम उपलब्धि वाले प्रखंडों के अधिकारियों को इन सभी सामग्रियों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि खाद्यान्न प्राप्त करने वाले पात्र लाभुकों को नियमानुसार धोती, लुंगी एवं साड़ी का वितरण भी सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) परिवारों, जो राशन कार्ड से आच्छादित हैं, उनके बीच शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मार्केटिंग अफसर स्वयं इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें तथा राशन नहीं मिलने की कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए।

बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि यदि किसी परिवार का राशन कार्ड निरस्त (डिलीट) करने की प्रक्रिया की जा रही हो तो उससे पूर्व संबंधित व्यक्ति एवं उसके परिवार की पात्रता का पुनः सत्यापन अवश्य कर लिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र परिवार राशन कार्ड की सुविधा से वंचित न हो।

बैठक में लाभुकों के ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिन प्रखंडों में ई-केवाईसी की उपलब्धि कम रही, वहां के मार्केटिंग अफसरों को अभियान चलाकर शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा बैठक में धान अधिप्राप्ति के अंतर्गत किसानों को किए गए भुगतान की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित सहकारिता सप्ताह के अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सहकारिता शपथ दिलाई तथा सहकारिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी के प्रभार में जया संखी मुर्मू, जिला सहकारिता पदाधिकारी विजय प्रताप तिर्की, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सभी मार्केटिंग अफसर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर पंचायत की कार्रवाई, दुकानों से 15 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

बिभा संवाददाता

लातेहार। शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान के साथ-साथ नगर पंचायत ने अब सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इस नए अभियान की शुरूआत होते ही शहर के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। सोमवार को नगर पंचायत की टीम ने मुख्य चौक, चटनाही और बायपास चौक सहित विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सघन जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान कुल 15 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया गया। साथ ही जिन दुकानों से प्रतिबंधित प्लास्टिक बरामद हुआ, उनसे नियमानुसार जुमार्ना भी वसूला गया। नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने बताया कि नगर पंचायत को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि शहर में प्रतिबंध के बावजूद सिंगल यूज प्लास्टिक का

खुलेआम उपयोग किया जा रहा है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन के निर्देश पर यह विशेष जांच अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ शहर के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई और जुमार्ना लगाया जाएगा। इस अभियान में नगर प्रबंधक, लेखपाल, कनीय अभियंता तथा फील्ड सुपरवाइजर सहित नगर पंचायत की टीम मौजूद रही।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

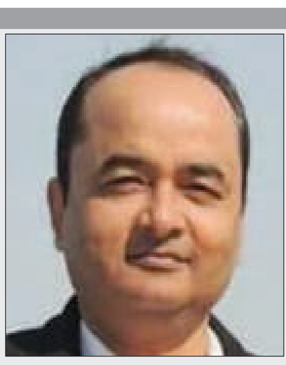

उमेश चतुर्वेदी

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित करके, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शाक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति। आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

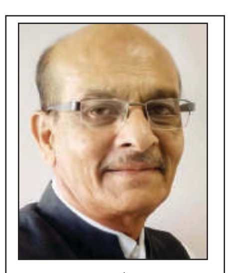

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर
की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं।ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों
की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह

आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

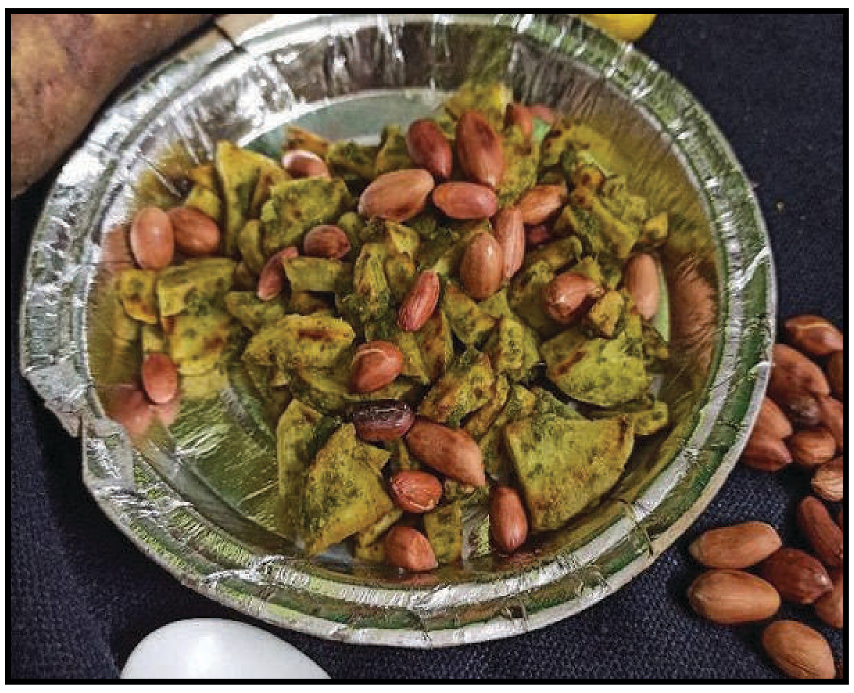

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज़, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
बादाम : 50 ग्राम
घी : 2 चम्मच
दूध : 1 कप
चीनी : स्वादानुसार
इलायची पाउडर : 1 चुटकी
विधि

मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
काजू : 50 ग्राम
आलू : 2 उबले हुए
हरी मिच : 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट : 1 चम्मच
नमक : स्वादानुसार
तेल : टिक्का तलने के लिए

विधि मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद : 2 उबले हुए
मूंगफली : 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया : 1 चम्मच
नींबू का रस : 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला : स्वादानुसार
विधि

शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली : 1 कप
शहद : 1 चम्मच
तेल : 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि

मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइल्स को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका
कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज़्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ़ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज़्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज़ या बहुत ज़्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आज़माएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना ज़रूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

जान जोखिम में डाल बुलडोजर से नाला पार, हेल्थ वर्कर ने बच्चों तक पहुंचाई पोलियो खुराक

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के जनजातीय जिला लाहुल स्पीति में स्वास्थ्य कार्यकर्ता पलजोम बुट्टी ने कर्तव्यनिष्ठा और साहस की अनूठी मिसाल पेश की है। बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने के लिए, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर एक उफनते नाले को पार किया। यह घटना राष्ट्रीय सघन पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के दौरान तिगरट बूथ पर घटी, जहां पलजोम ने विषम परिस्थितियों में भी अपना दायित्व निभाया। पहाड़ों में बढ़ते तापमान के कारण लाहुल घाटी के नदी-नाले इन दिनों पूरे उफान पर हैं, और तिगरट का नाला भी इसी कारण पार करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। कोई सुरक्षित साधन न होने पर, पलजोम ने हिम्मत दिखाई और एक बुलडोजर की मदद से उफनते नाले को पार किया। इस असाधारण प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ, जिसने पूरे देश व प्रदेश में उनकी सराहना की लहर पैदा कर दी। कठिनतम परिस्थितियों में भी बच्चों तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाने का उनका समर्पण प्रेरणादायक है। स्थानीय निवासियों, जिनमें नोरबू, दीपक, टशी और तेंजिन डोलमा शामिल हैं, ने उनके जज्बे को सलाम किया और उनके समर्पण को सराहा। लाहुल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भी पलजोम बुट्टी को समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद, पलजोम ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है, जो हम सभी के लिए एक बड़ी सीख है।

पुलिस की सक्रियता से गुम हुआ बच्चा 48 घंटे के भीतर बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

लोहरदगा (एजेंसी)। लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ननतिलो नावाटोली से पिछले 27 जुन को लापता हुए बच्चें को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सोमवार को कुडू व कैरो थाना क्षेत्र की सीमा से बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया।बच्चें के बरामदगी होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।बताया जाता है कि ननतिलो नावाटोली निवासी सालोनी उरांव ने कुडू पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि मेरा 13 वर्षीय पुत्र राज अनुप उरांव 27 जुन की सुबह 10 बजें घर मे किसी को कुछ बताएं बगैर कही चला गया है।काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है।आवेदन मिलने के बाद थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बच्चे की खोजबीन शुरू किया।सोमवार को थाना प्रभारी अजीत कुमार को सूचना मिली कि इसी बच्चे की तरह दिखने वाला एक बच्चा तान पहाड़ी की तरफ देखा गया है।थाना प्रभारी ने खोजबीन के लिए दो अधिकारियों के साथ परिजनों को लेकर स्वयं निकल पड़े। सोमवार दोपहर लगभग दो बजे तान व हुदू गांव के बीच बच्चे को बरामद किया गया। बच्चें को लेकर पुलिस थाना पहुंची व कागजी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंप दिया।बच्चे की मां सालोनी उरांव ने बताया कि बच्चें के लापता होने के बाद दो दिनों से परिजन काफी परेशान थे।थाना प्रभारी अजीत कुमार की सक्रियता के बाद लापता बच्चे को 48 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया।

पोलियो खुराक के बाद दो बच्चियों की संदिग्ध मौत, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के विदिशा और झाबुआ जिलों में पल्स पोलियो अभियान के दौरान खुराक देने के बाद दो मासूम बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का दुखद मामला सामने आया है। दोनों ही घटनाएं रविवार की हैं, जहां परिजनों ने पोलियो ड्रॉप्स को ही बच्चियों की मौत की वजह बताया है। हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर बताया है कि पोलियो की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। पहली घटना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम मैनखेड़ी की है, जहां अनिल अहिरवार की बेटी मानसी को सुबह पोलियो की खुराक दी गई थी, जिसके कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। विदिशा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रामहित कुमार ने बताया कि उस बूथ पर मानसी के साथ उसकी बड़ी बहन सहित कुल 44 अन्य बच्चों को भी वही दवा पिलाई गई थी और सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दूसरी घटना झाबुआ जिले के कल्याणपुरा ब्लॉक की है, जहां सुनील डामोर की 11 माह की बेटी पूजा ने भी पोलियो ड्रॉप्स लेने के कुछ समय बाद दम तोड़ दिया। झाबुआ के सीएमएचओ डॉ. एमएल चोपड़ा के अनुसार, जिस शीशी से पूजा को दवा दी गई थी, उसी से 19 अन्य बच्चों को भी खुराक दी गई थी, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग दोनों मामलों की गहराई से जांच कर रहा है।

उत्तराखंड : धामी सरकार का श्रमिकों को बड़ा तोहफा, डीबीटी के माध्यम से खातों में 93 करोड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य के गरीब और श्रमिक परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने दलालों और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे मजदूरों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि भेजनी शुरू की है। पिछले एक साल के भीतर श्रम कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य के 24,323 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में कुल 93.06 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो चुके हैं। हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी की मौजूदगी में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा 4,400 से अधिक श्रमिकों को करीब 11 करोड़ रुपये की राशि बिना किसी विलंब के सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। यह आर्थिक मदद असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों की रोजमर्रा और आपातकालीन जरूरतों को ध्यान में रखकर दी जा रही है।इसमें बेटियों की शादी, परिवार के सदस्य की मृत्यु पर सहायता, महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप शामिल है, जिससे संकट के समय इन्हें ऊंचे ब्याज पर कर्ज न लेना पड़े। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखकर मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि मजदूरों को पंजीकरण या लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद उनके पास पहुंचे।इसके लिए निर्माण स्थलों के पास वर्कप्लेस वेलफेयर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां श्रमिकों का पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिल रहा है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आधुनिक तकनीक और सख्त डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया है, जिससे फर्जीवाड़ा पूरी तरह रुक गया है और सरकारी सहायता बिना किसी कटौती के सिर्फ वास्तविक हकदारों तक पहुंच रही है।

मनरेगा के नए मॉडल से राज्यों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

-जयराम ने वीबी जी-रामजी योजना को संघीय ढांचे पर प्रहार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर प्रस्तावित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी-रामजी योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नई व्यवस्था से राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे देश के संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित और अधिकार-आधारित रोजगार गारंटी योजना थी, जबकि नई व्यवस्था आवंटन-आधारित योजना के रूप में काम करेगी। उनके अनुसार प्रस्तावित मॉडल में कुल व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा। जयराम रमेश ने कहा कि जिस आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वहीं 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के बीच करों के बंटवारे के लिए इस्तेमाल किया गया था। उनका तर्क है कि यह फार्मूला राजस्व वितरण के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन व्यय वहन करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अनुदान व्यवस्था में कटौती और राज्यों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डालने से पहले से ही कमजोर संघीय ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित कराया। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। जयराम रमेश ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी नई योजना को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनके अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने भी अतिरिक्त वित्तीय भार को लेकर चिंता व्यक्त की है। वहीं कुछ राज्यों ने कृषि सीजन के दौरान प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' का विरोध किया है, जिसमें योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि नई योजना के प्रभाव और उसके क्रियान्वयन को लेकर राज्यों की आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

जयपुर महिला का पाकिस्तानी आतंकियों से कथित संपर्क : एटीएस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के वाटिका क्षेत्र से गिरफ्तार 36 वर्षीय बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के मामले में राजस्थान एटीएस की जांच में कई गंभीर और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला पर पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने का आरोप है, जिसकी गहन पड़ताल हो रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, महिला के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान सहित अन्य देशों से संचालित कई संदिग्ध प्रोफाइलों से संपर्क के संकेत मिले हैं। एटीएस का दावा है कि फेसबुक पर उसके अकाउंट की दोस्तों की सूची में बड़ी संख्या में विदेशी प्रोफाइल जुड़े हुए थे, जिसमें से कुछ की पहचान संदिग्ध खातों के तौर पर की जा रही है। जांच के दौरान कुछ इसतरह के नामों का खुलासा भी हुआ है, जिनका संबंध पूर्व में आतंकी गतिविधियों और प्रतिबंधित संगठनों से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि, एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि इन संपर्कों की तकनीकी और फोरेंसिक जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। राजस्थान एटीएस के अनुसार, बबीता बीते दो वर्षों से कुछ विदेशी संपर्कों के संपर्क में थी। साइबर विशेषज्ञ उसके मोबाइल, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की गहराई से जांच कर रहे हैं। कई डिलीट किए गए डेटा को पुन: प्राप्त करने के लिए फोरेंसिक साइंस लैब की मदद ली गई है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाता है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को प्रभावित कर किसी संगठित 'लेडी स्लीपर सेल' नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा था। संदिग्ध संपर्कों और मोबाइल नंबरों का मिलान राष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा डेटाबेस से कराया जा रहा है, साथ ही 100 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइलों की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी डिजिटल साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित: 1 जुलाई से लागू, प्रदूषण घटाने पर केंद्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की है, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होकर 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाना है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पूरे देश में ईवी पर सबसे अधिक सब्सिडी और अन्य सुविधाएं देने वाला राज्य है।

यह नीति अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष सरकारी निवेश आकर्षित करेगी, जबकि नागरिकों को कर छूट और ईवी अवसंरचना के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ का समग्र लाभ मिलेगा। नीति के तहत, सभी प्योर ईवी वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी। हालांकि, चार पहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहनों पर लागू होगी।

इस नीति में दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया और ग्रामीण सेवा वाहनों सहित छोटे व्यावसायिक वाहनों को शामिल किया गया है। परिवहन आयुक्त निहारिका राय ने बताया कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े स्तर पर विकसित किया जाएगा, जिसके पहले चरण में मुख्य मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। निजी तौर पर चार्जिंग सुविधा विकसित करने के लिए डिस्कॉम को भी प्रोत्साहित किया गया है। नीति के तहत, ईवी पर ली जाने वाली सब्सिडी का लाभ उठाने के बाद वाहन को तीन साल तक किसी अन्य राज्य में पंजीकृत नहीं कराया जा सकेगा। दिल्ली सरकार के मंत्रियों, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने इस नीति को प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विशेषज्ञों से राय लेकर तैयार किया गया है ताकि हर मुद्दे पर गंभीरता से काम हो सके। यह नीति दिल्ली को देश में ईवी अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के सरकार के प्रयासों को और गति देगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सिब्बल की कविता से गरमाई सियासत

-'राम को लूटा, देश को लूटा' शीर्षक कविता से केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक कविता साझा करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनकी टिप्पणी के बाद इस मुद्दे ने नया राजनीतिक रंग ले लिया है।

कपिल सिब्बल ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। ऐसे शासन को तोड़ देंगे, मिलकर देश को जोड़ देंगे। न दिलों का होगा बंटवारा, सबका देश है देश हमारा।÷ उन्होंने कविता की शुरुआत ÷इस सरकार को सत्ता से बाहर करें÷ जैसे शब्दों से करते हुए सरकार की नीतियों और शासन व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिब्बल की यह काव्यात्मक प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी है। अपनी कविता के माध्यम से उन्होंने कथित भ्रष्टाचार, जवाबदेही और सामाजिक एकता जैसे मुद्दों को एक साथ जोड़ते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि देश में विभाजन की राजनीति के बजाय सामाजिक सद्भाव और एकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिब्बल की यह टिप्पणी केवल एक साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि विपक्ष की ओर से सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। उनकी कविता में 'अच्छे दिन' के नारे और शासन की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। इधर, राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच भी जारी है। पुलिस इस प्रकरण में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसियों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है।

इस बीच, मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा है कि मामले पर निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी: बेंगलुरु कोर्ट ने कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे को भेजा समन

-21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे और युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपद को समन जारी कर दिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने इस आपराधिक मानहानि शिकायत पर संज्ञान लेकर माना कि दोनों नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 356 के तहत मामला चलाने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। कोर्ट ने मामले को आपराधिक केस के रूप में दर्ज करने का आदेश देकर दोनों आरोपियों को 21 जुलाई, 2026 तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। हालांकि, पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने राज्य के पूर्व मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ आगे की कार्रवाई बंद की है।

यह मामला बेंगलुरु निवासी आरएसएस कार्यकर्ता ए. तेजस द्वारा दायर की गई शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अक्टूबर 2025 में आरोपियों ने जानबूझकर आरएसएस और उसके सदस्यों को निशाना बनाकर सोशल मीडिया और मीडिया बयानों के जरिए संगठन की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया था। शिकायत के अनुसार, खड़गे ने मंत्री पद पर रहते हुए पत्र लिखकर आरएसएस को सरकारी खेल के मैदानों और शैक्षणिक संस्थानों का उपयोग करने से रोकने की मांग की थी, जिसे बाद में जानबूझकर मीडिया और सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। इसके अतिरिक्त, खड़गे द्वारा किए गए कुछ अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में संगठन के सदस्यों के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक और गरिमाहीन टिप्पणियां की गई थीं।

वहीं शिकायत में युवा कांग्रेस नेता मोहम्मद के उस बयान का उल्लेख है, जिसमें उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान आरएसएस कार्यकर्ताओं पर अमर्यादित और अश्लील टिप्पणी की थी।

शिकायतकर्ता ने दलील दी कि ये सभी बयान पूरी तरह से झूठे, दुर्भावनापूर्ण और संगठन तथा उसके समर्थकों के सम्मान को ठेस पहुंचाने के इरादे से दिए गए थे। आरोपियों द्वारा अपने बयानों पर माफी न मांगने और उनके ऑनलाइन मौजूद रहने से संगठन की प्रतिष्ठा को लगातार नुकसान पहुंच रहा है, जिसके बाद अदालत ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

बिजली संकट: प्लांट ठप, 10 रुपये यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रही मान सरकार

लुधियाना (एजेंसी)। दशकों तक देश की हरित क्रांति में अग्रणी रहा पंजाब आज भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। गर्मियों के मौसम और धान की रोपाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकारी बिजली संयंत्रों की 6 इकाइयों के ठप होने से राज्य को नेशनल ग्रिड से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की अत्यधिक महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति ने किसान, उद्योग और आम जनता सभी को बेहाल कर दिया है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है।

इस गंभीर संकट का मुख्य कारण सरकारी थर्मल प्लांटों की छह इकाइयों में आई तकनीकी खराबी है, जिससे राज्य में तत्काल 1,800 मेगावाट बिजली की कमी हुई है। लेहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट, जिसकी 920 मेगावाट क्षमता वाली चारों इकाइयां ठप पड़ी हैं, इस संकट का केंद्र बन गया है। यहां राख के अधिक जमाव और पुरानी तकनीकी कमियों को इसका जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके अलावा, रोपड़ प्लांट की 30 साल से अधिक पुरानी इकाइयां भी अपनी तय उम्र पूरी कर चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या वर्षों से रखरखाव और आधुनिकीकरण पर ध्यान न देने का परिणाम है, जिसने धीरे-धीरे राज्य को इस कगार पर ला खड़ा किया है।

मशीनी खराबी के साथ-साथ, मानवीय मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। बिजली निगम के लगभग 1,852 आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने मरम्मत और बहाली के कार्यों को धीमा किया है, जिससे संकट और गहरा गया। कृषि प्रधान पंजाब के लिए समय अत्यंत नाजुक है, क्योंकि धान की रोपाई के लिए निरंतर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। कई जिलों में हो रही भारी कटौती से किसानों की फसल उत्पादन और आय पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। वहीं, उद्योग जगत भी महंगी और अनिश्चित बिजली आपूर्ति से परेशान है। बढ़ती उत्पादन लागत और पड़ोसी राज्यों के मुकाबले बिगड़ती औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के कारण पंजाब में नए निवेश आकर्षित करना मुश्किल हो गया है।

एआई+ स्मार्टफोन ने पहली ही बिक्री में पूरा स्टॉक बिकने के बाद नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री शुरू

नई दिल्ली : एआई+ स्मार्टफोन ने हाल ही में लॉन्च किए गए नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री का ऐलान किया है। 26 जून को फ्लिपकार्ट पर हुई पहली बिक्री में दोनों स्मार्टफोन का पूरा स्टॉक बिक गया था। इन स्मार्टफोन्स को 22 जून को आयोजित इंडियाज गॉट नोवा कार्यक्रम में पेश किया गया था। यह ब्रांड का प्रमुख लॉन्च इवेंट था, जिसकी मेजबानी जाने-माने गैजेट गुरु राजीव मखनी ने की। इस कार्यक्रम में कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना तथा एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ भी मौजूद रहे। इसमें एआई+ स्मार्टफोन के ओपन रिव्यू प्रोग्राम के तहत कई जाने-माने टेक क्रिएटर्स, रिव्यूअर्स, मीडिया प्रतिनिधियों और ग्राहकों ने भी हिस्सा लिया। यह पहल पारदर्शिता और ग्राहकों की भागीदारी के साथ प्रोडक्ट तैयार करने की ब्रांड की सोच को मजबूत करती है। ग्राहकों से मिले शानदार रिस्पॉन्स ने नोवा सीरीज की सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो की अगली बिक्री 30 जून से दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट पर शुरू हो रही है।

माधव शेठ, सीईओ, एआई+ स्मार्टफोन और संस्थापक, नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज ने कहा, नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो को ग्राहकों से मिला शानदार रिस्पॉन्स हमारे लिए बेहद उत्साहजनक है। हमें खुशी है कि नोवा सीरीज को लगातार ग्राहकों का अच्छा साथ मिल रहा है। हमें खुशी है कि नोवा सीरीज को लगातार ग्राहकों का अच्छा साथ मिल रहा है। हाल ही में शुरू हुई अगली बिक्री के साथ हम देशभर के और अधिक ग्राहकों तक नोवा का अनुभव पहुँचाने के लिए उत्साहित हैं।

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच पीएम मोदी की शीर्ष नौकरशाहों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट फेरबदल की तेज होती अटकलों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विभागीय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस महामंथन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदारीकरण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके।

यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा समाप्त कर दिल्ली लौट रहे हैं, और मंगलवार को इस ब्रीफिंग में शामिल होने वाले है। इसके पहले 21 मई को उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नियामक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय मंत्रिपरिषद और केंद्रीय सचिवों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की थी।

बताया जा रहा है कि इस आगामी बैठक में उदारीकरण और सुधारों के अलावा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर खास ध्यान केंद्रित रहेगा। प्रत्येक सचिव को प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनसे पूछा जाएगा कि व्यापार और नागरिक जीवन को आसान बनाने के लिए उन्होंने उदारीकरण और सुधार एजेंडा लागू करने में क्या कदम उठाए हैं, आगे क्या कर सकते हैं और उनके क्या सुझाव हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर विनियमन में ढील तथा सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस दिशा में दो अहम समितियां कार्यरत हैं। इसमें से एक उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव और नीति आयोग सदस्य राजीव गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतियों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चयनित सचिवों की भी नियुक्ति की है।

30 जून से हर घर पहुंचेगा बीएलओ, बिना दस्तावेज शुरू होगी मतदाता गणना

पहली बार नहीं मिले तो फिर आएंगे बीएलओ, तीन बार तक होगा घर-घर संपर्क : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिले में 30 जून से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 का घर-घर अभियान शुरू होगा। इस दौरान बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पहुंचकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। खास बात यह है कि इस प्रारंभिक गणना चरण में मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी।
समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी दीपक कुमार दुबे ने बताया कि यह अभियान 30 जून से 29 जुलाई तक चलेगा। यदि किसी घर पर पहली बार संपर्क नहीं हो पाता है तो बीएलओ निर्धारित अवधि में तीन बार तक वहां पहुंचने का प्रयास करेंगे, ताकि कोई भी मतदाता छूटने न पाए। साथ ही उन्होंने बताया कि 5 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित होगा। इसके बाद 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक दावा एवं आपत्ति दर्ज करने, सुनवाई और त्रुटियों के निस्तारण की प्रक्रिया चलेगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। साथ ही उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों की मांग केवल दावा एवं आपत्ति चरण में अथवा निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा नोटिस जारी किए जाने की स्थिति में ही की जाएगी। प्रारंभिक गणना के दौरान केवल गणना प्रपत्र भरना आवश्यक होगा। साथ ही उन्होंने बताया कि जिले के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, वॉलंटियर्स और निर्वाचन कार्य से जुड़े कर्मियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। 30 जून को सुबह 11 बजे जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ, बीएलए-2 और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में जागरूकता पत्र का वाचन कर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। वहीं उपायुक्त ने मीडिया से अपील की कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित सही और प्रमाणिक जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रांति से बचने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। प्रेस वार्ता में अपर समाहर्ता विजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार दास एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू भी उपस्थित थीं।

'हर मतदाता तक पहुंच' का संकल्प, एसआईआर अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल प्रखंड क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से सोमवार को प्लस टू जेके उच्च विद्यालय राजमहल और प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय राजमहल में ह्यईएलसीह्न एवं ह्यचुनाव पाठशालाह्न के अंतर्गत कई जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और सुधार कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने छात्र- छात्राओं को ह्यफ्यूचर वोटर्सह्न के रूप में संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एसआईआर अभियान की शुरूआत 30 जून से की जाएगी, जो 29 जुलाई तक चलेगा। इस अभियान के तहत बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर दो सेट में ह्यगणना प्रपत्रह्न वितरित करेंगी। उन्होंने बताया कि मतदाताओं को एक प्रति भरकर बीएलओ को वापस करनी होगी, जबकि दूसरी प्रति अपने पास सुरक्षित रखनी होगी। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने इस बात पर विशेष बल दिया कि एसआईआर अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वैध मतदाता सूची से छूटे नहीं और कोई भी अपात्र या गलत मतदाता सूची में न जुड़ने पाए। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने घर-परिवार और पड़ोस में सभी पात्र लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। वही इस अवसर पर राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ, निर्वाचन नोडल पदाधिकारी सह बीपीओ गगन बापू, ईएलसी के नोडल शिक्षक मो. मजहरुल हक, प्रधानाचार्य अभिजीत पांडे, राजीव कुमार शर्मा, सुबेश कुमार, रीमा पाठक, मुकेश दास सहित कई शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, हर मतदाता तक पहुंचेगा गणना प्रपत्र

तालेझारी(बिभा) । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को सफल बनाने के लिए अब बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे। इसी अभियान की तैयारियों को लेकर सोमवार को तालझारी प्रखंड सभागार में प्रतिनियुक्त सहयोगी कर्मियों की कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता प्रभारी बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने की। वहीं कार्यशाला में सहयोगी कर्मियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की पूरी प्रक्रिया, उद्देश्य और उनकी जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रत्येक बीएलओ को अपने-अपने मतदान क्षेत्र के सभी मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र (फॉर्म) की दो-दो प्रतियां उपलब्ध करानी हैं तथा उन्हें सही तरीके से भरवाने में भी सहयोग करना है। प्रभारी बीडीओ ने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी कर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और अभियान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही कार्यशाला में बीएलओ और प्रतिनियुक्त कर्मियों को फॉर्म वितरण, दस्तावेजों के सत्यापन तथा मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि बीएलओ के घर पहुंचने पर आवश्यक सहयोग करें, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन और त्रुटिरहित बनाई जा सके।

फेक न्यूज पर रहेगी नजर, एसआईआर-2026 के लिए सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को प्रशासन ने जोड़ा

साहेबगंज(बिभा) । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सोशल मीडिया को जनजागरूकता का प्रमुख माध्यम बनाने की पहल की है। इसी उद्देश्य से सोमवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय के सभागार में जिले के सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजय कुमार दास ने की। उन्होंने 30 जून से शुरू होने वाले इन्यूमरेशन (गणना) चरण की जानकारी देते हुए बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करेंगे और भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया की सही और प्रमाणिक जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। बैठक में विशेष रूप से फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं से बचने पर जोर दिया गया। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से अपील की गई कि वे केवल निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन के आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी ही साझा करें तथा किसी भी अपुष्ट या भ्रामक खबर का प्रसार न करें। साथ ही प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों से #खँ१ ँल्लरिक्फ्रअभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने, निर्वाचन आयोग के जागरूकता वीडियो, पोस्टर और अन्य आईईसी सामग्री का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया। साथ ही जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने बताया कि 30 जून को सुबह 11 बजे से जिलेभर में विशेष सोशल मीडिया जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी सही जानकारी लोगों तक पहुंचाना और अधिकाधिक पात्र मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

छिपादोहर-मंगरा रेलखंड के मध्य नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन का निरीक्षण

धनबाद(बिभा): गुरु प्रकाश, संरक्षा आयुक्त (रेलवे), पूर्वी सर्किल, कोलकाता द्वारा धनबाद मंडल के अंतर्गत छिपादोहर-मंगरा रेलखंड के 15.619 कि.मी. नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन का निरीक्षण सह स्पीड ट्रायल किया गया निरीक्षण के क्रम में संरक्षा आयुक्त (रेलवे) ने रेल पथ, पुल-पुलियों, लेवल क्रॉसिंग, सिग्नलिंग व्यवस्था, संरक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं का गहनतापूर्वक अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही मंगरा- बरवाडीह - छिपादोहर रेलखंड का स्पीड ट्रायल किया गया ' इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण (साउथ) श्री राजीव गुप्ता तथा मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संथाल परगना में हूल दिवस मनाएंगे पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन

दुमका(बिभा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन इस बार हूल दिवस संथाल परगना में मनाएंगे। सुबह 9 बजे वे जामताड़ा के पुसाई मोड़ पहुंचेंगे, एवं कार्यकताओं के साथ आमलावनी गांव के वीर सिदो कान्हू चौक पर माल्यार्पण करेंगे। वहाँ आदिवासी सांवता सुसार अखाड़ा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद पूर्व सीएम दुमका रवाना हो जायेंगे। दुमका में चम्पाई सोरेन सुबह 11 बजे दिशोम मांझी थान में पूजा अर्चना करेंगे, तत्पश्चात वे दिशोम जाहेरस्थान में पौधारोपण करेंगे। उसके बाद, अपने समर्थकों के साथ वे सिदो-कान्हू मुर्मू चौक (पोखरा चौक) में वीर सिदो कान्हू की प्रतिमा को माल्यार्पण करेंगे। तत्पश्चात पूर्व सीएम फुलो झानो चौक पर वीरांगनाओं की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कन्वेंशन हॉल जाएंगे, जहाँ वे आदिवासी समाज के मांझी बाबा, मार्गदर्शकों एवं गणमान्य लोगों के साथ संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम में आदिवासी समाज से जुड़े साहित्यकारों, खिलाड़ियों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जायेगा।

बंधकों को छुड़ाने पहुंची पुलिस टीम पर हमला, 20 नामजद समेत 40-50 अज्ञात पर केस

बिभा संवाददाता

उधवा। राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत आजुल टोला में बीते रविवार की देर रात रुपया लेन-देन के मामले में सात लोगों को बंधक बनाकर रखने की सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने पुलिस के वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल विमलेश कुमार त्रिपाठी,पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, तालझारी, राजमहल व तीनपहाड़ थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर कथित बंधक बनाएं लोगों को मुक्त कराया। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिमी प्राणपुर के एक युवक मुबंई में नारियल का कारोबार करता था। बताया जाता है कि युवक अपना बकाया रुपया मांगने के लिए उत्तर पलाशगाछी पंचायत के आजुल टोला पहुंचे थे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बकझक होने के बाद प्राणपुर से पहुंचे सात लोगों को आजुल टोला में बंधक बनाकर रखा था। बंधक बनाकर रखें पीड़ित लोगों के परिजनों ने राधानगर थाना में शिकायत कर बंधक बनाकर मारपीट करने का आरोप लगाया था। रात करीब 12 बजे राधानगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और बंधक बनाकर रखें लोगों को मुक्त कराने का प्रयास किया। इसी बीच ग्रामीणों ने राधानगर पुलिस पर हमला कर दिया। हालांकि देर रात पुलिस ने सभी को मुक्त कराकर थाना लाया। इस संबंध में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस पर हमला करने,पुलिस के सरकारी वाहन को क्षतिग्रस्त करने एवं सरकारी काम में बांधा डालने को लेकर एएसआई श्रीलाल हांसदा के फर्द बयान पर थाना कांड संख्या 229/26 धारा-191(2)/191(3)/127(2)/115(2)/117(2)/109(2)/132/324(2)/308(3)/352 बीएनएस के तहत 20 नामजद एवं 40-50 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

वन विभाग ने 60 जरूरतमंद परिवारों के बीच बांटे उन्नति चूल्हे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

तालझारी । तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मोतीझरना परिसर में सोमवार को वन विभाग द्वारा दो पहाडियां गांव के 60 जरूरतमंद लाभुकों के बीच डीएफओ प्रलब गर्ग व रेजर पंचम दुबे के द्वारा उन्नति चूल्हा वितरण किया गया। वहीं रेंजर पंचम दुबे ने बताया कि मन्डे पहाड के 30 व दरकल्ला पहाड़ के 30 लाभुकों को उन्नति चूल्हा वितरण किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस चूल्हे के उपयोग से लकड़ी की खपत काफी कम होती है तथा प्रदूषण भी कम होता है। इससे पेड़ पौधे बचेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम सबकी जवाबदेही होनी चाहिए कि पेड़-पौधे व जंगल-झाड़ का संरक्षण करें। पेड़-पौधे व जंगल-झाड़ है तभी मानव जीवन की परिकल्पना संभव है। चूल्हा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी लोगों को जागृत करने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर वनपाल राणा रंजीत चौधरी, प्रधान वनरक्षी प्रेम कुमार, पप्पू कुमार, सनी रजक सहित अन्य मौजूद थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण संपन्न

बिभा संवाददाता

राजमहल । विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर सोमवार को राजमहल प्रखंड सभागार कक्ष में स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण सह बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ ने की। वही मौके पर बीडीओ मो. यूसुफ ने सभी प्रतिभागियों को निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता में बीएलओ और स्वयंसेवकों की अहम भूमिका होगी। शिक्षकों को स्वयंसेवक के रूप में मतदान केंद्रों से जोड़ा गया है, ताकि वे मतदाताओं को एसआईआर की प्रक्रियाओं की सटीक जानकारी दे सकें और उनकी शंकाओं का समाधान कर सकें। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी विषय पर अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता हो तो संबंधित एईआरओ एवं ईआरओ से संपर्क किया जाए। सभी स्वयंसेवकों से जमीनी स्तर पर मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने और पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की गई। वही बीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 30 जून को सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलए-2, बीएलओ एवं चुनाव पाठशाला की बैठक में स्वयंसेवक अनिवार्य रूप से शामिल हों और अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। वही बैठक में बीपीओ गगन बापू, भरत मंडल, विजय कुमार सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने मृतक प्रवासी श्रमिकों के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की

दुमका (बिभा): उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने झारखंड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष के अंतर्गत दो मृतक प्रवासी श्रमिकों के वैध आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रखंड रामगढ़ के ग्राम पिंडारी, पंचायत नौखेता निवासी स्वर्गीय विकास राय की गुजरात में तथा ग्राम शंकरपुर, पंचायत भतुरिया बी निवासी स्वर्गीय रामदेव राय की केरल राज्य में आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत मृतकों की माता श्रीमती आशा देवी एवं श्रीमती विभावती देवी को 50,000-50,000 की एकमुश्त आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार प्रवासी श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के हितों के संरक्षण एवं संकट की स्थिति में सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है।

हल्दीटोला में एकल अभियान का 30 घंटे का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग संपन्न

बिभा संवाददाता

राजमहल । एकल अभियान उत्तर झारखंड भाग के संथाल परगना अंचल अंतर्गत राजमहल संच के हल्दीटोला में आयोजित 30 घंटे का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संच अध्यक्ष निमाई मंडल ने की। बैठक में पिछले माह के कार्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी माह के लिए कार्ययोजना तैयार करते हुए अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक विरु मंडल ने शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए कहा कि निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन तीन घंटे का नियमित विद्यालय संचालन अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रह सके। इस अवसर पर संच प्रशिक्षक दुर्योधन मंडल, उद्धव संच की संच प्रशिक्षिका सुनीता कुमारी सहित संच के सभी आचार्य एवं क्षेत्र की सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इनमें पिंकी देवी, बीना देवी, पूनम देवी, सुष्मिता देवी, माया देवी, पल्लवी कुमारी, मीना देवी, प्रतिमा देवी, मालती देवी, मुन्नी देवी, दीपिका कुमारी, हिना देवी, शोभा देवी, अंजू देवी, अनीता देवी, पार्वती इक्का, रानी हेम्रम, ममता मालतो, संगीता देवी, कलावती देवी और आशा देवी सहित अन्य कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक के अंत में सभी ने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा शिक्षा के स्तर को मजबूत करने का संकल्प लिया।

ऑनर किलिंग के मामले में भाई को आजीवन कारावास की सजा

कोडरमा(बिभा)। अपनी नाबालिग बहन की हत्या करने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की कोर्ट ने आरोपित भाई ज्योतिष पांडे (20) को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। वहीं साक्ष्य छुपाने में सहयोग करने के आरोपित पिता मदन पांडे (70) को 03 वर्ष की सजा सुनाई। साथ ही 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। वर्ष 2025 के इस मामले को लेकर मृतका के भाई नीतीश पांडे ने मरकच्चो थाना में आवेदन दिया था। साथ ही किसी लड़के की ओर से भगा लिए जाने का आरोप लगाया था। लेकिन पुलिस जांच में मामला सामने आया कि लड़की के भाई ने ही उसकी हत्या कर पंचखेरो नदी के किनारे बालू में दफना दिया था। इस दौरान साक्ष्य छुपाने को लेकर गर्दन को अलग कर दिया गया था। साथ एक हाथ को भी काट दिया गया था। थाना प्रभारी सौरभ शर्मा के अनुसंधान में सारी बातें खुलकर सामने आ गई और आरोपितों ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया।

श्रावणी मेले से पहले मोतीझरना में सफाई अभियान चलाकर वन विभाग ने पर्यटकों व श्रद्धालुओं से की स्वच्छता बनाए रखने की अपील

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। आगामी श्रावणी मेले को लेकर सोमवार को मोतीझरना स्थित मोतीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। वहीं अभियान का नेतृत्व रेंजर पंचम दुबे ने किया। वहीं अभियान में मुख्य रूप से डीएफओ प्रलब गर्ग मौजूद थे। वहीं अभियान के दौरान मंदिर परिसर, झरना क्षेत्र, पैदल मार्ग तथा आसपास फैले प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य कचरे को हटाकर पूरे परिसर की साफ-सफाई की गई।वहीं डीएफओ प्रलब गर्ग ने कहा कि वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर पर्यटक स्थल को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने का प्रयास किया। साथ ही स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें। वही रेंजर पंचम दुबे ने बताया कि मोतीझरना प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पर्यटन स्थल है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में इसकी स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया तथा पर्यटकों से अपील की गई कि वे भ्रमण के दौरान प्लास्टिक एवं अन्य कचरा इधर-उधर न फेंकें और निर्धारित स्थान पर ही डालें। साथ ही कहा कि भविष्य में भी इस तरह के सफाई अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे, ताकि मोतीझरना का प्राकृतिक सौंदर्य बरकरार रहे और आने वाले पर्यटकों को स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण मिल सके। गौरतलब है कि श्रावणी मेले के दौरान मोतीझरना स्थित मोतीनाथ धाम में बड़ी संख्या में शिवभक्त और पर्यटक पहुंचते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन पहले से ही साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं की तैयारियों में जुटा है। वन विभाग ने बताया कि मेले के दौरान भी नियमित रूप से सफाई अभियान जारी रहेगा, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर वनपाल राणा रंजीत चौधरी, प्रधान वनरक्षी प्रेम कुमार, पप्पू कुमार, सनी रजक सहित वन विभाग के सभी प्रधान वनरक्षी, वनकर्मी, वन सुरक्षा समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल

इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी।

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि ये देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्वियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजूरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्पूर्ण क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया है।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारूप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रूप से 28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की र्यू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की र्यू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' र्यू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यूं इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई हैं। आखिरी तीन राउंड में र्यू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की र्यू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। र्यू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडा को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत - भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरुनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी किंयू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएस ओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

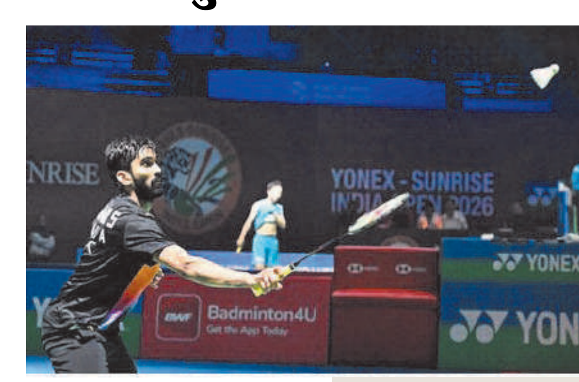

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार - पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी - निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर - भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी। इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं। उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा। उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाना का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर

न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है.

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी - इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरेन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल - इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली। वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया। इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी। जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं.'

स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए हर बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।

आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि चिह्नित करें, सेविका के रिक्त पद शीघ्र भरें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की बैठक की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना, पोषण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन, विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति एवं बाल संरक्षण की विस्तृत समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निमार्णाधीन भवनों एवं सरकारी भवन में संचालित नहीं हो रहे केंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने आवश्यकता के अनुरूप नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त सेविका पदों की चयन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लंबित चयन प्रक्रिया को पूर्ण करने का निर्देश दिया, ताकि केंद्रों का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

पोषण ट्रैकर के विभिन्न संकेतकों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों का शत-प्रतिशत फेस रिकॉग्निशन सिस्टम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का समय पर ई-केवाईसी कराने तथा लंबित मामलों की अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा, जिससे लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। पोषण ट्रैकर में रिपोर्ट अपटूडेट रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में घर तक पहुँचाने का राशन वितरण की स्थिति, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के अपार आईडी निर्माण तथा आभा लाभुकों की संख्या की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आभा वेरिफाइड लाभुकों की संख्या बढ़ाने को कहा। एमटीसी केंद्र में कुपोषित बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेंटर तथा ओल्ड एज होम के संचालन की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी योजनाओं एवं संस्थानों के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को ससमय बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करने तथा अधिक से अधिक बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन इकाई को थाना स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए बस पड़ाव, हाट-बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित औचक निरीक्षण करने तथा बाल श्रम, बाल विवाह एवं बच्चों से जुड़े अन्य संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ?

बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ, उपायुक्त ने सिद्धकोफेड की वार्षिक आम सभा का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

खूँटी : सिद्धो कान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) की वार्षिक आम सभा का उद्घाटन सोमवार को खूँटी अंचल सभागार में अध्यक्ष-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में सचिव, सिद्धकोफेड ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। आम सभा में जिला संघ की उपलब्धियों, भविष्य की योजनाओं तथा आय-व्यय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा के बाद सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी एवं सहायक निबंधक, सहकारिता ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। वहीं सुंदारी, खूँटी और मुरहू लैम्प्स के सचिवों एवं अध्यक्षों ने सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के अपने अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने 29 जून से 6 जुलाई तक आयोजित सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ करते हुए सभी सदस्यों को सहकारिता के सिद्धांतों एवं सामूहिक विकास के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया तथा अधिकाधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। अंत में सदस्यों से सुझाव लेकर सहकारिता आंदोलन को और प्रभावी बनाने पर बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

जिला उद्योग केन्द्र में उद्यम निबंधन शिविर का आयोजन

खूँटी(बिभा) । जिला में सोमवार को जिला उद्योग केंद्र, खूंटी के द्वारा एक दिवसीय शिविर लगाकर उद्यम निबंधन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं तथा पुरुषों को जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने सभी को उद्योग से संबंधित स्व रोजगार के बारे में जानकारी दी। इसी क्रम में बताया गया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा सहयोग किया जा रहा है। मौके पर, पीएमएफएमई और पीएमईजीपी योजना के बारे में जानकारी दी। इसके अलावे भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं उद्यम रजिस्ट्रेशन की विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजीव रंजन , अभिनव राज, आतेन विश्वासी तोपनो, किरण लता भेंगरा, आशीष वर्मा, पंकज कुमार शर्मा , जॉन हस्सा , संतोष सोनी, इमानुएल मुंडा एवं प्रकाश सहित अन्य लोग शामिल थे।

शिशु मंदिर कोड़ाकेल में किया गया पौधारोपण

खूँटी(बिभा) । मुरहू प्रखंड में एकल अभियान मुरहू संच द्वारा सोमवार को तुलसी पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत शिशु मंदिर कोड़ाकेल से की गई। संच अध्यक्ष डॉ डीएन तिवारी ने कहा कि गाँवों में तुलसी हर आंगन में होने चाहिए। यह रोग प्रतिरोधक होता है, शरीर को स्वस्थ निरोग और मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि जरुरतमंद लोगों के लिए पौधे मंगाये भी जा रहें हैं। वहीं एकल अभियान प्राथमिक शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास, जागरण शिक्षा, सत्संग कार्यक्रम, महिला समिति तथा ग्राम समिति बनाकर गांवों के चहुंमुखी विकास के कार्यों में सदा तत्पर है। कुल तीस संचों के आचार्य गण यह कार्य बखूबी निभा रहे हैं। कार्यक्रम में परीक्षा परिणामों सहित अन्य कार्यों पर चर्चा हुई। मौके पर जयसिंह मुंडा, महेंद्र नाग, ध्रुवेन्द्र भास्कर, ओमपति देवी, मनीषा कुमारी, सुधा कुमारी, दुर्गावती देवी सहित अन्य आचार्यगण उपस्थित थे।

एसआईआर अभियान को लेकर विद्यालयों में लगी चुनाव पाठशाला

खूँटी (बिभा)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) के तहत चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 18 वर्ष से कम आयु की छात्र-छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदाता सूची के महत्व तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन एवं गणना प्रपत्रों का संकलन करेंगे। प्रारूप मतदाता सूची 5 अगस्त को प्रकाशित होगी, जबकि दावा-आपत्ति 5 अगस्त से 4 सितंबर तक ली जाएगी और अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर को प्रकाशित होगी। इस दौरान विद्यार्थियों को बीएलओ की भूमिका, गणना प्रपत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। विद्यालयों में एसआईआर विषय पर पोस्टर, पेंटिंग, निबंध, रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से एसआईआर अभियान में सहयोग कर त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार कराने की अपील की।

बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के बीच गणना प्रपत्र का किया गया वितरण

खूंटी(बिभा) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार खूंटी सदर प्रखंड समेत अन्य प्रखंडो में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के बीच गणना प्रपत्र का वितरण किया गया। सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं समयबद्ध निष्पादन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्हें निर्देशित किया गया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार घर-घर जाकर मतदाताओं को फॉर्म उपलब्ध कराएं तथा पूर्ण रूप से भरे हुए प्रपत्रों का समय पर संग्रह सुनिश्चित करें। इस दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने हेतु सभी संबंधित कर्मियों से पूरी जिम्मेदारी एवं

मत्स्य, पशुपालन, गव्य विकास एवं उद्यान विभाग पर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

पात्र किसानों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़े : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में मत्स्य, पशुपालन, गव्य विकास एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक कर विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारी तथा जिला उद्यान पदाधिकारी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों एवं लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का बेहतर संचालन, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, मत्स्य पालकों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने, तालाबों के बेहतर उपयोग तथा स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग की समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, लाभुकों के पारदर्शी चयन, समय पर पशुओं का वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं के नियमित टीकाकरण (वैक्सीनेशन), टैगिंग, स्वास्थ्य जांच एवं रोग नियंत्रण संबंधी कार्यों में तेजी लाने तथा पशुपालकों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना का लाभ योग्य लाभुकों को देने को लेकर भी निर्देशित किया गया।

उद्यान विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विभिन्न फल, फूल एवं सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए लाभुक चयन प्रक्रिया, पौध उपलब्धता एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से उद्यानिकी आधारित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा पात्र किसानों को प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचक निबंधन पदा. ने तोरपा विस क्षेत्र के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं बीएलए-1 के साथ की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा की अध्यक्षता में 59-तोरपा (अ.ज.जा.) विधानसभा क्षेत्र के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं बीएलए-1 के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान रक्फ़ से संबंधित निर्धारित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी उपस्थित प्रतिनिधियों को दी गई। साथ ही बीएलए-2 की नियुक्ति एवं उससे संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई।

निर्वाचक सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत चल रहे गणना कार्य की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी साझा की गई तथा सभी संबंधित पक्षों से सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया।

बैठक में एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट) सूची के महत्व पर भी चर्चा की गई तथा बीएलए-2 को इस संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, ताकि निर्वाचक सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके।

इसके अतिरिक्त पोस्टर -1 , पोस्टर 2, लिफलेट एवं अन्य जागरूकता सामग्रियों के प्रभावी उपयोग एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में भी आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, समावेशी एवं त्रुटिरहित बनाने में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

सायबर सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला विधिक सेवा प्राधिकार, खूँटी के तत्वावधान में सोमवार को धरम दयाल इंटर महाविद्यालय, सारिदकेल में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं बैंक तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

झारखंड ग्रामीण बैंक, डोड़मा शाखा के शाखा प्रबंधक राजीव नयन ने छात्रों को सोशल मीडिया पर फर्जी विज्ञापनों, छात्रवृत्ति के नाम पर आने वाले संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक एवं ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी। मुरहू थाना प्रभारी गोडविन केरकेट्टा ने अज्ञात एप्लिकेशन फाइल डाउनलोड नहीं करने तथा संदिग्ध कॉल की पहचान के लिए कॉलर-आईडी का उपयोग करने की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश बेहरा ने डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। वहीं मुख्य एलएडीसी राजीव कमल ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए वन टाइम पासवर्ड, पासवर्ड और बैंकिंग विवरण किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के निदेशक धरम दयाल साहू, प्राचार्या ग्लोरिया मुण्डरी, प्रबंध निदेशक दीपक दयाल साहू, अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) अजीत कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 और निःशुल्क विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 की जानकारी दी गई।

वज्रपात से 2026 में अब तक खूंटी जिले के 7 लोगों की हुई मौत, दर्जनभर से अधिक घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में वर्ष 2026 के दौरान वज्रपात लगातार जानलेवा साबित हो रहा है। अब तक अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई घटनाओं में खूँटी जिले के 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनभर से अधिक लोग घायल हुए हैं। इन घटनाओं में 20 से अधिक लोग वज्रपात की चपेट में आ चुके हैं।

इस वर्ष वज्रपात से पहली बड़ी घटना 16 जून को खूँटी थाना क्षेत्र के बगडू गांव में हुई, जहां बकरियां चराकर घर लौट रही 13 वर्षीय छात्रा महिमा धान की वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि दशमी भेंगरा घायल हो गईं थी।

इसके बाद 21 जून को जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर वज्रपात ने कहर बरपाया। मारंगहादा थाना क्षेत्र के देव मैदान के पास 42 वर्षीय सुखराम मुंडा और 16 वर्षीय सिनू टुटी की मौत हो गई, जबकि जुसुफ पूर्ति घायल हो गए। वहीं कर्रा थाना क्षेत्र के कच्चाबारी के निकट पतराटोली मैदान में क्रिकेट खेलने के दौरान 22 वर्षीय प्रेम बखला की मौत हो गई तथा तीन अन्य युवक घायल हुए। इस घटना में 10 से अधिक लोग वज्रपात की चपेट में आए थे। इसी दिन तोरपा थाना क्षेत्र के रोन्हे गांव में खेत में काम कर रहे 52 वर्षीय निस्तार तोपनो की भी वज्रपात से मौत हो गई।

25 जून को कर्रा थाना क्षेत्र के मेहा गांव में 28 वर्षीय रानी महुकल की वज्रपात से मौत हो गई।

वहीं 28 जून को खूँटी निवासी एवं खूँटी वन प्रमंडल के प्रभारी वनपाल रोशन श्रीवास्तव की ड्यूटी के दौरान राहे थाना क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई।

इसके अलावे खूंटी रनिया जरिया गढ़ कर्रा थाना क्षेत्र में अन्य दिनों में हुई वज्रपात की घटना से अनेक मवेशियों की जान चली गयी । जिससे किसानों को परेशानी झेलना पड़ा ।

इस प्रकार, इन सभी घटनाओं में वर्ष 2026 में खूँटी जिले में वज्रपात से मरने वालों की संख्या 7 पहुंच गई है, जबकि दर्जनभर से अधिक लोग घायल हुए हैं। जिला प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, खेत, पेड़ों और बिजली के खम्भों के पास न जाएँ तथा मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करते हुए सुरक्षित स्थानों पर रहें।

सड़क किनारे खड़े सूखे पेड़ों से कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना, चिंतित जनता कानूनी समस्या

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में विभिन्न सड़कों पर सड़क के किनारे सूखे पेड़ खतरा और दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। जहाँ कभी भी हादसा हो सकता है। लेकिन इसे जनता हटा नहीं सकती है और विभाग अभी तक इसपर ध्यान नहीं दिये हैं। पदाधिकारी इसपर ध्यान देते तो फिर अबतक हट गया होता । जिसमें अनेक सूखे पेड़ सड़क की ओर झूठे हुए हैं। स्थानीय ग्रामीण बतलाते हैं कि ये पेड़ सूखकर झूट गया है और ऐसी अवस्था कई वर्षों से है। जिस प्रकार पेड़ सूखकर काफी दिन हो गया है इससे कमजोर होने की आशंका भी बनी हुई है। लेकिन अभी इसपर पहल नहीं किया जाना कहीं दुर्घटना का इंतिजार तो नहीं है। स्थानीय बतलाते हैं कि ये सड़क के किनारे पेड़ सरकारी है। इसपर हाथ लगाना अपने उपर दोष लेने के बराबर है। जिसमें कर्रा-खूंटी मुख्य मार्ग स्थित कोसांबी गांव के पास सड़क के दोनों किनारों पर वर्षों से दर्जनों सूखे पेड़ खड़े हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों का आवागमन होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये सूखे पेड़ कभी भी गिर सकते हैं, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

इस संबंध में स्थानीय महिला निराली होरो ने कहा कि सड़क किनारे खड़े सूखे पेड़ों को शीघ्र हटाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से ये पेड़ इसी स्थिति में खड़े हैं, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा इन्हें हटाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई ग्रामीण बिना अनुमति पेड़ों की टहनी काटता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। ऐसे में जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क किनारे खड़े सूखे एवं जर्जर पेड़ों को हटाने के लिए भी विभाग को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। निराली होरो ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर सड़क किनारे खड़े सूखे पेड़ों को काटकर नहीं हटाया गया, तो वे स्थानीय महिलाओं एवं ग्रामीणों के साथ वन विभाग कार्यालय का घेराव और प्रदर्शन करने को बाध्य होंगी।

यही मात्र नहीं , बल्कि बिरहू पंचायत अंतर्गत कर्रा रोड पर भी काफी संख्या में सूखे पेड़ खड़े हैं। तोरपा रोड , कुंजला, डोड़मा मिशन के निकट , मुरहू रोड , पिपरा टोली , रांची रोड सहित अन्यान्य जगहों पर पेड़ों की डाली सूखकर लटकी हुई है। जिसे अगर हटाने की प्रक्रिया नहीं की गयी तो कभी भी हादसा हो सकता है।

पोलियो से सुरक्षा के लिए अपने बच्चों को खुराक अवश्य पिलाएं : उपप्रमुख

बिभा संवाददाता

मुरहू । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मुरहू में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ उपप्रमुख अरुण कुमार साबू, मुखिया ज्योति डोडराय तथा सीएचसी प्रभारी डॉ. आशुतोष तिग्गा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर उपप्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान प्रत्येक बच्चे के स्वस्थ भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस गंभीर बीमारी से प्रभावित न हो।

सीएचसी प्रभारी डॉ. आशुतोष तिग्गा ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए प्रत्येक अभियान महत्वपूर्ण है। यदि हम अपने बच्चों को पोलियो जैसी बीमारी से सुरक्षित रखेंगे, तभी वे स्वस्थ, सशक्त और देश के विकास में योगदान देने वाले नागरिक बनेंगे।

जिला परिषद सदस्य श्रीमती नेलानी देमता ने कहा कि स्वस्थ समाज ही मजबूत पंचायत, प्रखंड, जिला और देश की नींव है। इसलिए सभी लोगों को इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और हर बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुँचाने में सहयोग करना चाहिए।

मुखिया श्रीमती ज्योति धोधराय ने कहा कि यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है और लक्ष्य है कि पंचायत का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रहे। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अभियान को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

बेहतर प्रशासन के लिए प्रशासनिक डेटा को राष्ट्रीय संपत्ति बनाना आवश्यक : पीएम के प्रधान सचिव

बिहान भारत

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा ने आज 20वें सांख्यिकी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। 20वें सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए डॉ.मिश्रा ने प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित तथा भारत की सांख्यिकीय प्रणाली के निर्माण में उनके युगांतकारी योगदान को स्मरण किया और साक्ष्य-आधारित सुशासन के लिए मजबूत सांख्यिकी के स्थायी महत्व पर जोर दिया। उन्?होंने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को उसके विजन दस्तावेज 2026झ्31, सतत विकास लक्ष्यों पर प्रगति रिपोर्ट तथा श्रम बाजार और अनौपचारिक उद्यमों के प्रथम शहर-स्तरीय अनुमानों के प्रकाशन पर बधाई दी। उन्होंने प्रोफेसर अरूप बोस को सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर भी बधाई दीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के डेटा-आधारित सुशासन और ह्यविकसित भारत @2047ह्ल के विजन का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा, ह्लइस वर्ष के सांख्यिकी दिवस के विषय ह्यप्रशासनिक आँकड़ों की क्षमता का उपयोगह्ल भारत की सांख्यिकीय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने तथा साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह विषय अत्यंत प्रासंगिक और समयानुकूल है।ह्व सांख्यिकी के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि 1950 के दशक में भारत ने विश्व की सर्वश्रेष्ठ सर्वेक्षण-आधारित सांख्यिकीय प्रणालियों में से एक का निर्माण किया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण वैश्विक स्तर पर एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा, जिसने विकासशील देशों में अनुसंधान और नीति-निर्माण को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा, ह्लप्रोफेसर पी.सी. महालनोबिस के दूरदर्शी योगदान, जिन्होंने भारतीय सांख्यिकी संस्थान और ह्यसांख्यह्ल पत्रिका की स्थापना की, ने भारत में आधुनिक सांख्यिकीय विज्ञान की मजबूत नींव रखी तथा उनके विचारों ने द्वितीय पंचवर्षीय योजना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।ह्व अपने शैक्षणिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारतीय सांख्यिकीय आँकड़ों और कार्यप्रणालियों को लंबे समय से विश्व के अग्रणी शोधकताओं द्वारा अत्यधिक

उपयोगी माना जाता रहा है। उन्होंने प्रोफेसर सी.आर. राव और प्रोफेसर पी.वी. सुखात्मे जैसे प्रख्यात सांख्यिकीविदों के स्थायी योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके पथप्रदर्शक कार्य आज भी वैश्विक स्तर पर सांख्यिकी के क्षेत्र को निरंतर प्रभावित कर रहे हैं।

भारत की सांख्यिकीय प्रणाली के आधुनिकीकरण के बारे में विचार प्रकट करते हुए डॉ. पी.के. मिश्रा ने स्?वीकार किया कि दशकों तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद इस प्रणाली को पुराने हो चुके डेटासेट, आँकड़ों के प्रसार में विलंब, बिखरी हुई सांख्यिकीय संरचना, आँकड़ों की गुणवत्ता में असमानता तथा पेशेवर क्षमता में कमी जैसी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ह्लइन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने विशेषज्ञों, प्रमुख संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक समग्र सुधार प्रक्रिया शुरू की। इन चचाओं के आधार पर एमओएसपीआई ने संस्थागत निगरानी तंत्र के अंतर्गत समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए 216 सिफारिशों को स्वीकार किया।ह्व डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन सुधारों के परिणामस्वरूप उपयोगकताओं की आवश्यकताओं पर आधारित नए सर्वेक्षण शुरू किए गए हैं, प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों को अद्यतन किया जा रहा है, आँकड़ों के प्रसार में सुधार हुआ है तथा प्रक्रियागत और प्रणालीगत स्तर पर महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इन पहलों ने एक अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार सांख्यिकीय प्रणाली की मजबूत नींव रखी है।

वर्ष 2020 से 2025 के दौरान सांख्यिकीय सुधारों को प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने के लिए एमओएसपीआई की सराहना करते हुए डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2020 से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और एमओएसपीआई ने मिलकर सांख्यिकीय प्रणाली से जुड़े मुद्दों का गहन विश्लेषण किया, उपायों की पहचान की और विभिन्न चुनौतियों के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए। डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस पूरी सुधार प्रक्रिया में एक उत्प्रेरक और सहायक की भूमिका निभाई, जिसकी बदौलत मंत्रालय अपनी संस्थागत विशेषज्ञता और क्षमताओं का प्रभावी उपयोग करते हुए अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार सांख्यिकीय प्रणाली के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सका।

इस वर्ष के सांख्यिकी दिवस के विषय ह्यप्रशासनिक आँकड़ों की क्षमता का उपयोगह्ल पर बल देते हुए डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि भारत के तीव्र डिजिटल परिवर्तन ने प्रशासनिक आँकड़ों का विशाल भंडार तैयार किया है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और सुशासन को उल्लेखनीय रूप से सशक्त बना सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, ह्लप्रशासनिक आँकड़ों को रणनीतिक राष्ट्रीय संपदा के रूप में देखा जाना चाहिए, जिससे बेहतर योजनाएँ बनाई जा सकें, लक्षित सेवा वितरण सुनिश्चित हो तथा समयबद्ध निर्णय लिए जा सकें।ह्व उन्?होंने केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए परस्पर संगत और एकीकृत डेटा इकोसिस्?टम विकसित करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि ऐसा तंत्र डेटा की गोपनीयता, सुरक्षा और निजता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए सुरक्षित डेटा साझाकरण को संभव बनाएगा। डॉ. मिश्रा ने संस्थानों में मानव क्षमता, डेटा साक्षरता और विश्लेषणात्मक क्षमताओं के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विश्वसनीय और परस्पर संगत डेटासेट शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जिम्मेदारी से अपनाने के लिए आधार प्रदान करेंगे।

भारत की सांख्यिकीय प्रणाली में जारी परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा प्रशासनिक आँकड़ों को अपनाना समावेशी और साक्ष्य-आधारित शासन के प्रति देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

फ्रेट कस्टमर मीटिंग में माल यातायात बढ़ाने व ग्राहक सुविधाओं पर हुआ विचार विमर्श

बिहान भारत

प्रयागराज। मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के निर्देशन में सोमवार को अकांशु गोविल, उप मुख्य यातायात प्रबंधक, कानपुर की अध्यक्षता में कानपुर एरिया के फ्रेट कस्टमर्स, व्यापारियों एवं साइडिंग प्रतिनिधियों के साथ माल यातायात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे एवं फ्रेट ग्राहकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना, माल यातायात में वृद्धि करना तथा ग्राहकों के लिए प्रस्तुत समस्याओं एवं सुझावों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा करना था। साथ ही रेलवे द्वारा संचालित विभिन्न इंसेंटिव स्कीम्स, नवीन व्यावसायिक नीतियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान कर अधिक से अधिक ग्राहकों को उनका लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया।

यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान रेलवे अधिकारियों द्वारा ग्राहकों को रेलवे की विभिन्न माल परिवहन सुविधाओं, प्रोत्साहन योजनाओं, माल ढुलाई प्रक्रियाओं के सरलीकरण, लोडिंग एवं अनलोडिंग सुविधाओं, डिजिटल सेवाओं तथा व्यवसाय विकास से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी गई। उपस्थित फ्रेट ग्राहकों एवं साइडिंग प्रतिनिधियों से सुझाव एवं समस्याएं आमंत्रित कर उन पर चर्चा की गई। कई सुझावों पर तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए तथा शेष विषयों को संबंधित विभागों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किए जाने का आश्वासन दिया गया।

पीआरओ ने बताया कि अकांशु गोविल ने कहा कि भारतीय रेल अपने फ्रेट ग्राहकों को सुरक्षित, समयबद्ध, विश्वसनीय एवं किफायती माल परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी ग्राहकों से रेलवे की प्रोत्साहन योजनाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा रेलवे के साथ दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि बैठक में रेलवे की ओर से अकांशु गोविल, पवन कुमार, एस.के. मीना, ज्ञान प्रकाश, अमित वर्मा, इन्द्राज मीना, के.डी. मीना सहित कानपुर एरिया के सभी गुड्स डिपो प्रभारी, निरीक्षक एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे। फ्रेट ग्राहकों एवं साइडिंग प्रतिनिधियों की ओर से रेनू अग्रवाल, रणंजय सिंह, भीम भूषण, प्रोमित आध्य, अनिल कनोजिया, संजय सिंह, अनिल डालमिया, दीपक सिंह, संदीप सिंह एवं ज्ञानेश मिश्रा, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सहित अनेक प्रमुख फ्रेट ग्राहक एवं व्यापारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मालतीपाटपुर और पुरी के बीच रोड ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के कारण ट्रेनों का विनियमन

आसनसोल(बिभा): मालतीपाटपुर और पुरी के बीच रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य के चलते, निम्नलिखित ट्रेन सेवाओं में अस्थायी विनियमन लागू रहेगा। तदनुसार, 15640 कामाख्या-पुरी एक्सप्रेस (28.06.2026 को होने वाली यात्रा) और 22201 सियालदह-पुरी एक्सप्रेस (29.06.2026 को होने वाली यात्रा) पुरी के स्थान पर खोरधा रोड (केयूआर) पर ही समाप्त होंगी। इसी प्रकार, वापसी यात्रा की सेवाएं, 15639 पुरी-कामाख्या एक्सप्रेस और 22202 पुरी-सियालदाह एक्सप्रेस (दोनों की 30.06.2026 को होने वाली यात्रा), पुरी के बजाय खोरधा रोड से शुरू होंगी। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाएं।

एनएसजी के संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभ्यास में आरपीएफ का उत्कृष्ट प्रदर्शन

धनबाद(बिभा) : राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड द्वारा 15 से 27 जून 2026 तक आयोजित 49वें क्लस्टराइज्ड ज्वाइंट काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज में रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नौ प्रतिभागी टीमों के बीच तृतीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस उच्चस्तरीय संयुक्त अभ्यास में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों एवं राज्य पुलिस बलों की कुल 09 टीमें (152 प्रतिभागी) शामिल हुईं, जिनमें प्रत्येक टीम में 18 प्रशिक्षित कमांडो थे। अभ्यास के दौरान रूम इंटरवेंशन, बस इंटरवेंशन, आईईडी ऑब्जर्वेशन, फिजिकल एंड्यूरेंस तथा फायरिंग सहित विभिन्न सामरिक एवं परिचालन दक्षताओं का परीक्षण किया गया। समयबद्ध एवं प्रभावी प्रदर्शन के आधार पर किए गए मूल्यांकन में रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने उत्कृष्ट कौशल का परिचय देते हुए तृतीय स्थान अर्जित किया। इस सफलता में 10वीं वाहिनी रेलवे सुरक्षा विशेष बल के आरक्षी कुलवीर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। यह उपलब्धि रेलवे सुरक्षा बल की बढ़ती आतंकवाद-रोधी क्षमता, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, परिचालन दक्षता एवं त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का प्रमाण है तथा बल के आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य व कार्ययोजना का किया निरीक्षण

एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटेगा : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

धनबाद : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक जब बीएलओ मतदाता के घर-घर जाएं तो मतदाताओं को विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से उनकी मैपिंग अवश्य सुनिश्चित करें। राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में विगत की विशेष गहन पुनरीक्षण वाले मतदाता सूची से मैपिंग की विवरणी को नागरिकता हेतु वांक्षित दस्तावेज के रूप में माना गया है। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में सामान्यतः कोई अन्य दस्तावेज नहीं देने होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सोमवार को धनबाद जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण हेतु चल रहे कार्य एवं कार्ययोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

धनबाद जिले के भ्रमण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ जिले के ईवीएम वेयर हाउस के निरीक्षण में भाग लिया। वेयर हाउस निरीक्षण के अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी

उपस्थित रहे। इसके उपरांत के. रवि कुमार ने धनबाद जिले के भूली बस्ती स्थित मतदान केंद्र संख्या 38 उत्क्रमित मध्य विद्यालय एवं मतदान केंद्र संख्या 210 गुरुनानक मध्य विद्यालय में बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में किए जा रहे कार्य एवं कार्ययोजना की समीक्षा की।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म की 2 प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। जिसे मतदाता भरकर एक प्रति अपने बीएलओ को देंगें और दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखेंगे। सभी मतदाता जो इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे उनका नाम मतदाता सूची के ड्राफ्ट पब्लिकेशन में 5 अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा।

के. रवि कुमार ने कहा कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे। इस अवसर पर जब बीएलओ घर घर आये तो वैसे मतदाता जिनकी अभी भी विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हुई है वे बीएलओ को अपना विवरण बताकर मैपिंग करा लें। वैसे मतदाता जिनकी मैपिंग नहीं हो सकेगी उन्हें बीएलओ द्वारा ईआरओ स्तर पर नोटिस उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नोटिस के जवाब में मतदाता आवश्यकतानुसार वांक्षित दस्तावेज अपने बीएलओ को समर्पित करेंगें जिसके उपरान्त उनका नाम मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में शामिल किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत के संविधान के आर्टिकल 326 का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेंगे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे। इस हेतु विशेष गहन पुनरीक्षण के सभी कार्य किए जा रहें है।

वहीं मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 30 जून से मतदाता सूची के विशेष ग्रहण पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। यह एक महत्वपूर्ण और पारदर्शी प्रक्रिया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के हर चरण में राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। उनके साथ हर चरणों का विवरण साझा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जिले के हर मतदाता को इस प्रक्रिया में उपलब्ध कराए गणना पत्र को भरने एवं बीएलओ को सहयोग करने की अपील की।इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, नगर आयुक्त आशिष गंगवार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो के अलावा सभी विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ सहित जिले के निर्वाचन संबंधी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बदली ईदगाह आगरा जंक्शन की तस्वीर

बिहान भारत

आगरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ईदगाह आगरा जंक्शन का व्यापक पुनर्विकास किया गया है। नए स्वरूप में तैयार यह स्टेशन आधुनिक सुविधाओं, बेहतर यात्री सेवाओं और आगरा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। भारतीय रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय पहचान और सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित रखना है।पुनर्विकसित ईदगाह आगरा जंक्शन में यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। स्टेशन परिसर में बेहतर सकुर्लेटिंग एरिया, सुगम प्रवेश एवं निकास, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, उन्नत प्रतीक्षालय, आधुनिक टिकटिंग व्यवस्था और अन्य यात्री सुविधाओं का विस्तार किया गया है।इससे प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों के साथ-साथ लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को भी अधिक आरामदायक और सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। स्टेशन परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। आधुनिक डिजाइन, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और व्यवस्थित संचालन के माध्यम से यात्रियों को पहले की अपेक्षा अधिक सहज और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा। रेलवे का मानना है कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रियों की यात्रा को अधिक सुगम और आनंददायक बनाएगा। ईदगाह आगरा जंक्शन के पुनर्विकास में आगरा की समृद्ध वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को भी प्रमुखता दी गई है। स्टेशन की डिजाइन में ऐसे स्थापत्य तत्व शामिल किए गए हैं जो आगरा की ऐतिहासिक पहचान और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की झलक प्रस्तुत करते हैं। इससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को शहर की सांस्कृतिक पहचान का पहला अनुभव स्टेशन पर ही प्राप्त होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ईदगाह आगरा जंक्शन एक महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन है, जहां से देश के कई प्रमुख शहरों के लिए रेल सेवाएं संचालित होती हैं। स्टेशन के आधुनिकीकरण से कनेक्टिविटी और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन, व्यापार, तीर्थयात्रा और क्षेत्रीय आवागमन को भी नई गति मिलेगी। बेहतर सुविधाओं के कारण यात्रियों का समय बचेगा और यात्रा अधिक सुविधाजनक बनेगी।

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने मई 2026 में व्यापक ट्रैक अनुरक्षण एवं नवीनीकरण अभियान के माध्यम से यात्री सुरक्षा एवं सुविधा को किया और सुदृढ़

बिहान भारत

कोलकाताः लाखों यात्रियों को अधिक सुरक्षित, तेज एवं सुगम यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पूर्व रेलवे ने मई 2026 के दौरान ट्रैक सुरक्षा को और मजबूत बनाने हेतु व्यापक अनुरक्षण एवं नवीनीकरण कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व में पूरे रेल नेटवर्क पर किए गए इन व्यापक आधारभूत संरचना उन्नयन कार्यों का उद्देश्य परिचालन संबंधी बाधाओं को समाप्त करना, ट्रेनों की समयपालन क्षमता में सुधार करना तथा भविष्य में उच्च गति से सुरक्षित रेल सेवाओं के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। यह समस्त कार्य आज का अनुरक्षण, कल की सुरक्षा के सिद्धांत पर आधारित है।

आसनसोल मंडल स्तर पर इन महत्वपूर्ण आधारभूत सुधार कार्यों का नेतृत्व मंडल रेल प्रबंधक श्री संग्रह मौर्य ने किया। उनके मार्गदर्शन में कुल 18 प्रमुख अनुरक्षण उपलब्धियों को सावधानीपूर्वक पूरा किया गया, जिनका सीधा लाभ यात्रियों को

अधिक सुरक्षा तथा आरामदायक यात्रा के रूप में मिलेगा। मंडल ने समपार संख्या 17 एवं 08 पर समपार फाटकों को समाप्त करने के उद्देश्य से 02 सीमित ऊँचाई वाले सबवे का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके अतिरिक्त, बराकर स्टेशन क्षेत्र में 119 अनधिकृत अतिक्रमण हटाए गए तथा जामताड़ा, सिमुलतला एवं मधुपुर स्टेशनों पर स्थित 03 बेकार हो चुके फुट ओवर ब्रिज को सुरक्षित रूप से हटाया गया। ट्रैक नवीनीकरण के क्षेत्र में मंडल ने 6.555 ट्रैक किलोमीटर प्राथमिक रेल नवीनीकरण, 8.81 ट्रैक किलोमीटर प्राथमिक स्लीपर नवीनीकरण तथा 4.932 ट्रैक किलोमीटर थ्रू बैलेस्ट नवीनीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके अतिरिक्त, ट्रैक प्रणाली के महत्वपूर्ण घटकों का भी व्यापक उन्नयन किया गया, जिसमें 16 थ्रू टर्नआउट नवीनीकरण, 23 स्विचों (17 न्यू वर्क्ड स्विच एवं 6 ट्रांजिशन वर्क्ड स्विच), 23 क्रॉसिंगों (20 डब्ल्यूसीएमएस एवं 3 सीएमएस क्रॉसिंग), 2 डायमंड क्रॉसिंगों का नवीनीकरण तथा 18 सेट थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट की स्थापना शामिल है।

ट्रैक की मजबूती बनाए रखने तथा ट्रेनों के सुचारु एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मंडल ने 3,38,083 इलास्टिक रेल क्लिप में ग्रीसिंग की, 103 ग्लूड जॉइंट्स का नवीनीकरण किया तथा 710 रेल जोड़ की वेल्डिंग पूरी की। आधुनिक भारी मशीनों की सहायता से 148.07 ट्रैक किलोमीटर सामान्य रेलमार्ग तथा 26 टर्नआउट की स्वचालित टैम्पिंग की गई, जिससे ट्रैक की स्थिरता एवं गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ। ट्रैक विफलताओं की रोकथाम एवं दीर्घकालिक संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 471.15 ट्रैक किलोमीटर पर अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) परीक्षण कर आंतरिक दोषों की पहचान की गई। इसके अतिरिक्त, तापीय विस्तार को नियंत्रित करने के लिए 21.35 ट्रैक किलोमीटर ट्रैक का डी-स्ट्रेसिंग कार्य तथा ट्रैक की मजबूत नींव एवं प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करने हेतु 14.61 किलोमीटर शोल्डर बैलेस्ट की सफाई का कार्य भी सम्पन्न किया गया।

इस व्यापक अभियान के दीर्घकालिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा आसनसोल मंडल में किए गए ये संरचनात्मक नवीनीकरण एवं अत्याधुनिक सुरक्षा परीक्षण संभावित गति प्रतिबंधों एवं परिचालन संबंधी बाधाओं को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, समयबद्ध एवं पहले से कहीं अधिक सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

आसनसोल मंडल में डिजिटल टिकटिंग का विस्तार, अधिक एटीवीएम एवं क्यूआर कोड भुगतान से यात्रियों को होगा लाभ

बिहान भारत

आसनसोल : पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा मानकर स्टेशन पर डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए सभी यात्रियों, दैनिक यात्रियों एवं रेल उपयोगकताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया जाता है। मानकर स्टेशन पर कुल 90% टिकट लेन-देन डिजिटल माध्यम से हुए हैं, जिनमें 76% एटीवीएम तथा 14% रेलवन ऐप के माध्यम से संपन्न हुए हैं।

यात्रियों को और अधिक सुविधा प्रदान करने तथा ऑनलाइन भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आसनसोल मंडल ने निम्नलिखित कार्ययोजना तैयार की है–

1. एटीवीएम (Automatic Ticket Vending Machine) का विस्तार

वर्तमान में मंडल के 24 स्टेशनों पर 70 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) संचालित हैं। ये स्टेशन हैं– आसनसोल जंक्शन, जसीडीह जंक्शन, दुर्गापुर, मधुपुर जंक्शन, रानीगंज, अंडाल जंक्शन, पानागढ़, दुमका, देवघर, मानकर, कुमारधुबी, जामताड़ा, सिउड़ी, चित्तरंजन, गिरिडीह, बैद्यनाथधाम, सीतारामपुर जंक्शन, विद्यासागर, बराकर, कुलटी, सिमुलतला, दुबराजपुर, उखड़ा तथा पांडवेश्वर।

इन मशीनों के माध्यम से यात्री स्वयं अनारक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं, जिससे टिकट काउंटरों पर भीड़ कम होती है तथा व्यस्त समय में समय की भी बचत होती है।

प्रथम चरणः

31 अतिरिक्त एटीवीएम की खरीद प्रक्रिया प्रगति पर है। इसके अंतर्गत 19 नए स्टेशनों पर एटीवीएम स्थापित किए जाएंगे तथा जिन स्टेशनों पर पहले से एटीवीएम उपलब्ध हैं, वहाँ अतिरिक्त मशीनें लगाई जाएंगी।

द्वितीय चरणः

60 अतिरिक्त एटीवीएम की स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है। प्रस्तावित स्टेशन हैं– बसुकीनाथ, राजबांध, वारिया, छोटा अम्बोना, गलसी, पराज, काजोराग्राम, कटोरिया, रूपनारायणपुर, कालूबथान, मुगमा, शंकरपुर, पांचरा, कालीपहाड़ी, भीमगड़ा, मथुरापुर, महेशमुंडा, कुमड़ाबाद रोहिणी, जगदीशपुर, सालानपुर, लाहाबन, थापरनगर, घोरमारा, बराचक, तपसी, चांदन, बाराबनी, करझौसा, कुनुरी तथा सोनाचारा।

2. हॉल्ट स्टेशनों पर एमयूटीएस (mUTS)

चरणबद्ध तरीके से सभी हॉल्ट स्टेशनों पर एमयूटीएस (mUTS) सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पूर्व-मुद्रित (Pre-printed) टिकटों का स्थान डिजिटल टिकटिंग लेगी। सत्संगनगर एवं कासीटाड़ हॉल्ट पर यह सुविधा पहले ही प्रारंभ की जा चुकी है।

3. क्यूआर कोड आधारित भुगतान

मंडल के 51 स्टेशनों पर अब क्यूआर कोड आधारित यूपीआई भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। इसमें उपर्युक्त सभी प्रमुख स्टेशनों के अतिरिक्त चिनपाई, जगदीशपुर, महेशमुंडा आदि स्टेशन भी शामिल हैं। यात्री टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड स्कैन कर तत्काल डिजिटल भुगतान कर सकते हैं।

4. रेलवन (RailOne) ऐप

यात्री रेलवन ऐप के माध्यम से टिकट काउंटर पर बिना जाए सामान्य टिकट, मासिक सीजन टिकट तथा त्रैमासिक सीजन टिकट सीधे अपने मोबाइल से बुक कर सकते हैं।

इन पहलों से टिकट प्राप्त करने में लगने वाला समय कम होगा, काउंटरों पर भीड़ में कमी आएगी, नकदरहित भुगतान को बढ़ावा मिलेगा तथा स्टेशन एवं मोबाइल आधारित टिकटिंग की एकीकृत एवं निर्बाध सुविधा उपलब्ध होगी। आसनसोल मंडल सभी यात्रियों से अपील करता है कि वे एटीवीएम, क्यूआर कोड भुगतान तथा रेलवन ऐप का अधिकतम उपयोग करें, ताकि टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिक तेज, सरल एवं सुविधाजनक बन सके।

आसनसोल मंडल आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित प्रौद्योगिकी के माध्यम से यात्री सुविधाओं के निरंतर उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com